पुणेकर™

म.प्र.कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित

माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा

(संविदा शाला शिक्षक वर्ग 2)

हिन्दी शिक्षक सॉल्व्ड पेपर्स

(व्याख्यात्मक हल सहित)

2023-2012

आपकी सफलता का सहयोगी . . .

पुणेकर पब्लिकेशन्स

खजूरी बाजार–इन्दौर

© **सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन**

- इस पुस्तक में दिए गए किसी भी भाग के लिए प्रकाशक /विक्रेता/मुद्रक/लेखक इस बात को कतई सुनिश्चित नही करता है कि इस पुस्तक के दी गई जानकारी अंतिम रुप से पूर्ण है। पाठकों को यदि इस पुस्तक के किसी भी अंश या प्रश्न पर कोई संशय है तो वह अपन स्त्रोत के आधार पर उसका आकलन करे एवं यदि इस पुस्तक मे कोई विसंगति पाता है निम्न पते पर इस विसंगति को बताये जिससे कि आगामी संस्करण मे इस पुस्तक में सुधार किया जा सके। इस पुस्तक को प्रकाशित करने में प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई हैं फिर भी किसी त्रुटि के लिए , परीक्षार्थी को होने वाले किसी भी संताप या नुकसान के लिए प्रकाशक/विक्रेता/ लेखक जिम्मेदार नहीं होगा।
- इस पुस्तक में प्रकाशित किसी भी अंश का प्रतिलिपिकरण, ऐसे यंत्र में भंडारण जिससे इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता हो या स्थानांतरण, किसी भी रूप में या किसी या विधि से, इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटो प्रतिलिपि, रिकार्डिंग प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता है।

- इस पुस्तक का प्रकाशन प्रतियोगी परीक्षाओं में तैयारी की दृष्टि से किया गया है। इस पुस्तक के लेखक/ प्रकाशक/विक्रेता का किसी भी समुदाय/व्यक्ति/संस्था/धर्म को किसी भी प्रकार से ठेस पहुँचाने का उद्देश्य नहीं है फिर भी यदि कहीं कोई त्रुटि हुई हो तो क्षमा करें।
- किसी भी विवाद के लिए न्यायक्षेत्र इन्दौर होगा।

- हम विश्वास करते हैं कि इस पुस्तक में छपी सामग्री लेखकों द्वारा मौलिक रुप से लिखी गई है। अगर कॉपीराइट उल्लंघन का कोई मामला सामने आता है तो प्रकाशक को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा।

- संस्करण –**2026**

- **प्रकाशक : पुणेकर पब्लिकेशन्स, इन्दौर**
  जी–7 राजगुरु काम्पलेक्स, खजूरी बाजार इन्दौर

- **www.punekarpublications.in**
- **punekerpublication@gmail.com**

विषयसूची

क्र. विषय पृष्ठ

01- म.प्र. माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा-2023

- 07 May 2023 Shift-1 1
- 07 May 2023 Shift-2 15
- 15 May 2023 Shift-1 29
- 15 May 2023 Shift-2 45

02- म.प्र. माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा-2018

- 07 March 2019 2:30 PM 61
- 09 March 2019 9:30 AM 76
- 09 March 2019 2:30 PM 93
- 10 March 2019 9:30 AM 109
- 10 March 2019 2:30 PM 125

03- म.प्र. माध्यमिक शिक्षकशिक्षक पात्रता परीक्षा 2012 139

NOTES

म.प्र. माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा-2023

(संविदा शाला शिक्षक वर्ग-2)

7 May 2023 Shift-1

गद्यांश

निर्देशः नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्न 1-4 के सबसे उचित उत्तर वाले विकल्पों का चयन कीजिए-

परिश्रम कल्पवृक्ष है। जीवन की कोई भी अभिलाषा परिश्रम रूपी कल्पवृक्ष से पूर्ण हो सकती है। परिश्रम जीवन का आधार है, उज्ज्वल भविष्य का जनक और सफलता की कुंजी है। सृष्टि के आदि से अद्यतन काल तक विकसित सभ्यता और सर्वत्र उत्पत्ति परिश्रम का परिणाम है। आज से लगभग पचास साल पहले कौन कल्पना कर सकता था कि मनुष्य एक दिन चाँद पर कदम रखेगा या अंतरिक्ष में विचरण करेगा पर निरंतर श्रम की बदौलत मनुष्य ने उन कल्पनाओं एवं संभावनाओं को साकार कर दिखाया है। मात्र हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहने से कदापि संभव नहीं होता।

किसी देश, राष्ट्र अथवा जाति को उस देश के भौतिक संसाधन तब तक समृद्ध नहीं बना सकते जब तक कि वहाँ के निवासी उन संसाधनों का दोहन करने के लिए अथक परिश्रम नहीं करते। किसी भूभाग की मिट्टी कितनी भी उपजाऊ क्यों न हो, जब तक विधिवत परिश्रमपूर्वक उसमें जुताई, बुआई, सिंचाई, निराई-गुड़ाई नहीं होगी, अच्छी फसल प्राप्त नहीं हो सकती। किसी किसान को कृषि संबंधी अत्याधुनिक कितनी ही सुविधाएं उपलब्ध करा दीजिए, यदि उसके उपयोग में लाने के लिए समुचित श्रम नहीं होगा, उत्पादन क्षमता में वृद्धि संभव नहीं है। परिश्रम से रेगिस्तान भी अन्न उगलने लगते हैं हमारे देश की स्वतंत्रता के पश्चात हमारी प्रगति की द्रुतगति भी हमारे श्रम का ही फल है। भाखड़ा नांगल का विशाल बाँध हो या श्री हरिकोटा के रॉकेट प्रक्षेपण केंद्र, हरित क्रांति की सफलता हो या कोविड 19 की रोकथाम के लिए टीका तैयार करना, प्रत्येक सफलता हमारे श्रम का परिणाम है तथा प्रमाण भी है।

जीवन में सुख की अभिलाषा सभी को रहती है। बिना श्रम किए भौतिक साधनों को जुटाकर जो सुख प्राप्त करने के फेर में है, वह अंधकार में है। उसे वास्तविक और स्थायी शांति नहीं मिलती। गांधीजी तो कहते थे कि जो बिना श्रम किए भोजन ग्रहण करता है, वह चोरी का अन्न खाता है। ऐसी सफलता मन को शांति देने के बजाए उसे व्यथित करेगी। परिश्रम से दूर रहकर और सुखमय जीवन व्यतीत करने वाले विद्यार्थी को ज्ञान कैसे प्राप्त होगा? हवाई किले तो सहज ही बन जाते हैं, लेकिन वे हवा के हल्के झोंके से ढह जाते हैं। मन में मधुर कल्पनाओं के संजोने मात्र से किसी कार्य की सिद्धि नहीं होती। कार्य सिद्धि के लिए उद्यम और सतत उद्यम आवश्यक है। तुलसीदास ने सत्य ही कहा है- 'सकल पदारथ एहि जग माहिं। कर्महीन नर पावत नाहिं।।' अर्थात् इस दुनिया में सारी चीजें हासिल की जा सकती हैं लेकिन वे कर्महीन व्यक्ति को कभी नहीं मिलती हैं।

1. दिए गए विकल्पों में से उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक का चयन कीजिए।

(अ) परिश्रम सफल जीवन का आधार
(ब) जीवनः समृद्ध एवं भौतिक
(स) भौतिक संसाधनों का अभाव
(द) जीवन की अभिलाषा

उत्तर-(अ) परिश्रम सफल जीवन का आधार
यह अंश इस विषय पर अत्यधिक बल देता है कि परिश्रम ही सफल और समृद्ध जीवन का आधार है। यह कड़ी मेहनत को इच्छा पूरी करने वाले वृक्ष, के रूप में वर्णित करता है और तर्क देता है इसके बिना भौतिक संसाधन बेकार है। भौतिक संपदा या संसाधनों की कमी का सुझाव देने वाले या संसाधनों की कमी का सुझाव देने वाले विकल्पों का उल्लेख केवल इस संदर्भ में किया गया है कि कड़ी मेहनत उन पर कैसे काबू पाती है।

2. प्रेम, घृणा, प्रशंसा, सच्चाई, ईमानदारी, प्रार्थना निम्न में से किस संज्ञा के उदाहरण है?

(अ) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ब) भाववाचक संज्ञा
(स) जातिवाचक संज्ञा (द) गुणवाचक संज्ञा

उत्तर-(ब) भाववाचक संज्ञा
जिन शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति के गुण, दोष, शील, स्वभाव, अवस्था या भाव का बोध होता है उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं। प्रेम, घृणा, सच्चाई और बहादुरी केवल महसूस किए जा सकते हैं इसलिए ये भाववाचक संज्ञा के उदाहरण है।

3. उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार, 'सकल पदारथ एहि जग माहिं। कर्महीन नर पावत नाहिं।।' यह निम्न में से किसने कहा है?

(अ) कालीदास जी ने (ब) रैदास जी ने
(स) गांधीजी ने (द) तुलसीदास जी ने

उत्तर-(द) तुलसीदास जी ने
गद्यांश की अंतिम पंक्तियों में स्पष्ट रूप से लिखा है कि तुलसीदास जी सत्य ही कहते हैं, 'सकल पदारथ एहि जग माहि। कर्महीन नर पावत नहीं।' यहाँ तुलसीदास जी के अनुसार कर्म की प्रधानता को सफलता का मुख्य आधार बताया गया है।

4. उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार, किसी देश, राष्ट्र अथवा जाति को उस देश के भौतिक संसाधन तब तक समृद्ध नहीं बना सकते जब तक कि .....

(अ) वहाँ के निवासी उन संसाधनों का दोहन करने के लिए अथक परिश्रम नहीं करते।
(ब) रेगिस्तान में अन्न उगने नहीं लगते।
(स) वर्षा के अभाव में अच्छी फसल प्राप्त नहीं हो जाती।
(द) बीना सिंचाई के फसल नही हो जाती।

उत्तर-(अ) वहाँ के निवासी उन संसाधनों का दोहन करने के लिए अथक परिश्रम नहीं करते।
गद्यांश के अनुसार कोई भी राष्ट्र तब तक समृद्ध नहीं हो सकता जब तक कि वहाँ के निवासी उन संसाधनों का दोहन करने के लिए अधिक परिश्रम नहीं करते । बिना परिश्रम के केवल भौतिक संसाधनों की उपलब्धता किसी जाति या देश को सुखी और समृद्ध नहीं बना सकती।

काव्यांश

निर्देशः काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्न 5-8 के सबसे उचित उत्तर वाले विकल्पों का चयन कीजिए-

कोई अलौकिक ही
कला हो किसी के पास
तो अलग बात है
नहीं तो साधारणतया
कलाकार को तो
लौकिक का ही सहारा है
लौकिक के सहारे
लोकोपयोगी रचना ही
करनी है
और ऐसा करते-करते
जितनी अलौकिकता आ जाए
उतनी अपने भीतर भरनी है
कई लोग
लोगों को किसी
खाई की तरफ़ ले जाएँ
ऐसी कुछ चीज़ें
अलौकिक कला कहकर
रचते हैं
मगर इस तरह
न लोक बचता है
न वे बचते हैं
सब कुछ विकृत
होता है

उनकी कृतियों से
खुद़ भी मरते-मरते
भयभीत होते हैं वे
अपनी रचना की स्मृतियों से !

5. निम्न में से उपर्युक्त पंक्तियों के रचयिता का नाम बताइए-

(अ) माखनलाल चतुर्वेदी
(ब) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
(स) महादेवी वर्मा
(द) भवानीप्रसाद मिश्र

उत्तर-(द) भवानीप्रसाद मिश्र
दी गई काव्य पंक्तियाँ प्रसिद्ध कवि भवानीप्रसाद मिश्र की कविता से ली गई है। उनकी शैली सरल और बोलचाल की भाषा के करीब होती है, जो इस पद्यांश में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

6. निम्न में से 'अलौकिक' का शाब्दिक अर्थ क्या?

(अ) जिसने मृत्यु को जीत लिया है
(ब) जिसे सरलता से पढ़ा जा सके
(स) जो इस लोक का न हो; लोकोत्तर।
(द) जो किसी का पक्ष न ले

उत्तर-(स) जो इस लोक का न हो; लोकोत्तर।
अलौकिक शब्द 'अ'(नहीं) और लौकिक (इस लोक का) से बना है। इसका अर्थ होता है वह जो इस सांसारिक दुनिया या लोक का न हो।

7. उपर्युक्त पंक्तियों के अनुसार रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-
कोई .....ही कला हो किसी के पास तो अलग बात है नहीं तो साधारणतया कलाकार को तो ..... का ही सहारा है।

(अ) अलौकिक, अलौकिक
(ब) अलौकिक, लौकिक
(स) लौकिक, लौकिक
(द) रचनात्मक, रचना

उत्तर-(ब) अलौकिक, लौकिक
कविता के संदर्भ के अनुसार यदि किसी के पास कोई अलौकिक (दिव्य असाधारण) काम हो तो वह अलग बात है, अन्यथा कलाकार अक्सर लौकिक (सांसारिक या सामान्य) कार्यों में ही उलझकर रह जाता है।

8. निम्न में से 'विकृत' का विलोम शब्द क्या है?

(अ) अविकृत (ब) पतित
(स) विकारयुक्त (द) विभक्त

उत्तर-(अ) अविकृत
शब्द विकृत का विलोम शब्द अविकृत है। अविकृत का अर्थ है कोई ऐसी चीज जो अपनी मूल अवस्था में हो, परिवर्तित या भ्रष्ट न हो। यहाँ विकृत शब्द में उपसर्ग 'अ' जोड़ने पर अविकृत शब्द की रचना हुई है।

9. In the below question, four sentences are given, which when properly arranged, make up a paragraph. Rearrange the given sentences and choose the option that provides the correct final order.

P. You should plan your entire day in the morning.
Q. But, if you're someone who isn't doing this, take my word for it and start doing it for a week.
R. You'll see instant results.
S. I know it sounds like something that most people already do.

(A) PSQR (B) QSRP
(C) RSQP (D) SQPR

Ans.(A) PSQR
एक सुसंगत अनुच्छेद बनाने के लिए,
P: आपको अपने पूरे दिन की योजना सुबह ही बना लेनी चाहिए। (मुख्य विषय/सलाह का परिचय देते हुए)
S: मुझे पता है कि यह सुनने में ऐसा लगता है जैसे ज्यादातर लोग पहले से ही ऐसा करते हैं। (वाक्य पी के संभावित विपरीत विचार को स्वीकार करते हुए)
Q: लेकिन, अगर आप ऐसा नहीं कर रहे हैं, तो मेरी बात मानिए और एक सप्ताह के लिए इसे करना शुरू कर दीजिए। (यह उन लोगों के लिए एक आह्वान है जो पहले से ही इस सलाह का पालन नहीं कर रहे हैं।)
R: आपको तुरंत परिणाम देखने को मिलेंगे। (कार्य के सकारात्मक परिणाम का वर्णन करता है)
यह वाक्य का सही अरेंजमेंट है अतः विकल्प (अ) सही है।

10. In the below question, four sentences are given, which when properly arranged, make up a paragraph. Rearrange the given sentences, and choose the option that provides the correct final order.

P. She was going all alone to Paris to visit her daughter, her only child, who was married to a Frenchman.
Q. Moreover, she had developed a great yearning to set eyes on her three grandchildren.
R. This was an important journey for Mrs Foster.
S. She didn't care much for the Frenchman, but she was fond of her daughter.

(A) SPQR (B) RPSQ
(C) PSRQ (D) RSQP

Ans-(B) RPSQ
वाक्य R मुख्य विषय (श्रीमती फोस्टर) और केंद्रीय विषय (उनकी यात्रा का महत्व) का परिचय देता है, जिससे यह तार्किक प्रारंभिक बिंदु बन जाता है। वाक्य P, R के बाद गंतव्य (पेरिस) और यात्रा के उद्देश्य (अपनी बेटी से मिलने जाना) का वर्णन करता है।
वाक्य S उन लोगों के प्रति उसकी भावनाओं के बारे में विस्तार से बताता है जिनसे वह मिलने जा रही है, विशेष रूप से उसकी बेटी और दामाद के प्रति। वाक्य Q में संक्रमण शब्द 'इसके अलावा' का उपयोग यात्रा का एक अतिरिक्त कारण प्रदान करने के लिए किया गया है - अपने पोते-पोतियों को देखने की उसकी इच्छा - जो एक निष्कर्ष बिंदु के रूप में कार्य करता है। अतः सही क्रम R-PSQ है , जो विकल्प B से मेल खाता है ।

11. Select the incorrectly spelt word.

(A) Anorexia (B) Abstemeous
(C) Attraction (D) Appreciate

Ans-(B) Abstemious
The task is to identify the incorrectly spelt word from the given list of options.
(A) Anorexia: Correctly spelled. It refers to an eating disorder.
(B) Abstemious: Incorrectly spelled. The correct spelling is Abstemious, which means not self-indulgent, especially when eating or drinking.
(C) Attraction: Correctly spelled.
(D) Appreciate: Correctly spelled.
अतः विकल्प (ब) सही उत्तर है।

12. In the question given below, a passage is split into four parts and named P, Q, R & S. These four parts are not given in their proper order. Read the sentence/passage and find out which of the four combinations is correct.

P. Few of these ever spoke to Laura, beyond a casual greeting
Q. Others were poor people who came to ask his advice on some point, or to ask him to sign a paper.
R. Some of these, were fellow tradesmen of the town who looked in upon him to pass the time of day.
S. Uncle Tom had many friends.

(A) RSPQ (B) SRQP
(C) QSRP (D) RQPS

Ans-(B) SRQP
The passage begins by introducing a character,
S. (Uncle Tom had many friends). It then categorizes those friends:
R. (Some of these were fellow tradesmen...), followed by
Q. (Others were poor people...). It concludes with a specific detail about the depth of these relationships:
P. (Few of these ever spoke to Laura...) therefore Correct Sequence: SRQP (Option B).

13. In this section, each item consists of six sentences of a passage. The first and sixth sentences are given in the beginning as S1 and S6. The middle four sentences in each have been jumbled up and labelled as P, Q, R and S. You are required to find the proper sequence of the four sentences and mark your response accordingly on the Answer Sheet.
S1: India is unique in having all the seasons.
S6: While the Southern states experience average temperatures.
P: Winter is mild in some Indian states in the south.
Q: But in North India, winters are extreme.
R: In the same way, summers are very hot in north India.
S: Not all states experience the same seasonal conditions.
(A) SPQR (B) RSQP
(C) PQRS (D) QPRS

Ans-(A) SPQR
Logical Arrangement
S1 introduces the topic of India's diverse seasons.
S. follows naturally by stating that because of this uniqueness, not all states experience the same conditions.
P. provides a specific example of this variation, focusing on the mild winters in South India.
Q. uses 'But' to contrast the mild southern winters with the extreme winters in North India.
R. continues the description of North India's extremes by mentioning the hot summers 'in the same way.'
S6 concludes by returning to the contrast with Southern temperatures.

Correct Sequence -
The correct sequence is SPQR, which corresponds to Option A.

14. निम्नलिखित में से किस चिन्ह का प्रयोग हर्ष, घृणा, आश्चर्य आदि भावों को व्यक्त करने वाले शब्दों के साथ होता है?
(अ) विस्मयादिबोधक चिन्ह
(ब) अल्पविराम चिन्ह
(स) प्रश्नवाचक चिन्ह
(द) समानतासूचक चिन्ह

उत्तर-(अ) विस्मयादिबोधक चिन्ह (!)
जब हम मन के तीव्र भावों जैसे खुशी (हर्ष), शोक, घृणा या आश्चर्य के प्रकट करते हैं, तो उस शब्द या वाक्य के अंत में विस्मयादिबोधक चिन्ह का प्रयोग किया जाता है। जैसे 'वाह! क्या दृश्य है।''

15. दिए गए विकल्पों में से प्रश्नवाचक तथा विस्मयादिबोधक को छोड़कर सभी वाक्यों के अन्त में कौन-सा चिन्ह प्रयुक्त होता है?
(अ) अवतरण चिन्ह
(ब) समानतासूचक चिन्ह
(स) तारक चिन्ह
(द) पूर्ण विराम चिन्ह

उत्तर-(द) पूर्ण विराम चिन्ह (।)
प्रश्नवाचक तथा विस्मयादिबोधक को छोड़कर सभी वाक्यों के अंत में पूर्ण विराम चिन्ह का उपयोग किया जाता है। हिन्दी में जब कोई साधारण वाक्य (सकारात्मक या नकारात्मक) पुरा हो जाता है, तो वहाँ पूर्ण विराम लगाया जाता है।

16. लोकोक्ति 'एक हाथ से रोवे, एक आँख से हँसे' में निम्न में से किस चिन्ह का प्रयोग किया गया है?
(अ) अपूर्णविराम चिन्ह
(ब) उद्धरण चिन्ह
(स) अर्द्धविराम चिन्ह
(द) योजकविराम चिन्ह

उत्तर-(ब) उद्धरण चिन्ह (" ")
लोकोक्ति "एक हाथ से रोवे एक आँख से हँसे" में उद्धहरण चिन्ह का प्रयोग किया गया है। किसी की कही गई बात, कहावत या लोकोक्ति को ज्यों का त्यों लिखने के लिए उद्धहरण चिन्ह (इकहरा या दुहरा) का प्रयोग किया जाता है।

17. जहाँ पूर्ण विराम की अपेक्षा कम रूकना अपेक्षित हो, वहाँ पर निम्न में से किस चिह्न का प्रयोग किया जाता है?
(अ) योजकविराम चिन्ह
(ब) अवतरण चिन्ह
(स) पूर्ण विराम चिन्ह
(द) अर्द्धविराम चिन्ह

उत्तर-(द) अर्द्धविराम चिन्ह (;)
जहाँ पूर्ण विराम की अपेक्षा कम रुकना अपेक्षित हो वहाँ पर अर्द्धविराम चिन्ह का प्रयोग किया जाता है। जब एक वाक्य का दुसरे वाक्य से गहरा संबंध और अल्पविराम (,) से अधिक लेकिन पूर्ण विराम (।) से कम रुकना हो, तो अर्धविराम का प्रयोग होता है।

18. जब दो संयुक्त क्रियाएँ एक साथ प्रयुक्त हों तो ..... चिन्ह का प्रयोग किया जाता है।
(अ) योजक चिन्ह (ब) अवतरण चिन्ह
(स) लाघवविराम चिन्ह (द) अल्पविराम चिन्ह

उत्तर-(अ) योजक चिन्ह (-)
जब दो संयुक्त क्रियाएँ एक साथ प्रयुक्त हो तो योजक चिन्ह का प्रयोग किया जाता है।

19. निम्नलिखित में से किस वाक्य में योजक चिन्ह का प्रयोग किया गया है?
(अ) कोमल का भाई भूखा-प्यासा होगा।
(ब) साधना ने सुनीता से कहा, 'अपने घर जाओ।'
(स) 20% छूट के साथ पुस्तक की 100 प्रतियाँ भेज दें।
(द) विज्ञानः वरदान या अभिशाप।

उत्तर-(अ) कोमल का भाई भूखा-प्यासा होगा।
योजक चिन्ह का प्रयोग दो शब्दों को जोड़ने के लिए किया जाता है जैसे कि- **'भूख-प्यास' 'सुख-दुख'** या चलते-चलते (संयुक्त क्रियाएँ) उपरोक्त विकल्पों में **'कोमल का भाई भूखा-प्यासा** होगा' में योजक चिन्ह का प्रयोग हुआ।

20. नीचे दिए गए वाक्य में निम्न में से कौन-से चिन्ह का प्रयोग किया गया है?
गांधी जी का व्यक्तित्व जल की तरह शीतल; सागर की तरह गंभीर; पर्वत की तरह ऊंचा; सूर्य की तरह प्रकाशवान था।
(अ) अल्पविराम चिन्ह एवं पूर्णविराम चिन्ह
(ब) अर्द्धविराम चिन्ह एवं पूर्णविराम चिन्ह
(स) उपविरामचिन्ह एवं पूर्णविराम चिन्ह
(द) अर्द्धविराम चिन्ह एवं योजक चिन्ह

उत्तर-(ब) अर्द्धविराम चिन्ह एवं पूर्णविराम चिन्ह
उपरोक्त वाक्य में शीतल के बाद अर्द्ध विराम एवं वाक्य के अंत में पूर्ण विराम चिन्ह का प्रयोग हुआ है। जहाँ पूर्ण विराम की अपेक्षा कम रुकना अपेक्षित हो वहाँ पर अर्द्धविराम चिन्ह का प्रयोग किया जाता है। जब एक वाक्य का दुसरे वाक्य से गहरा संबंध और अल्पविराम (,) से अधिक लेकिन पूर्ण विराम (।) से कम रुकना हो, तो अर्धविराम का प्रयोग होता है।

21. निम्नलिखित में से किस वाक्य में योजक चिन्ह का प्रयोग किया गया है?
(अ) यह वही लड़का है, जो बीमार है।
(ब) हे भागवान! यह क्या हो गया।
(स) 'गबन' प्रेमचंद्र का प्रसिद्ध उपन्यास है।
(द) भारती ने सोहन से कहा, उसके माता-पिता मेरे घर पर नहीं है।

उत्तर-(द) भारती ने सोहन से कहा, उसके माता-पिता मेरे घर पर नहीं है।
माता-पिता शब्द के बीच में जो छोटी रेखा (-) है उसे योजक चिन्ह कहते हैं। इसका प्रयोग अक्सर द्वंद्व समास वाले शब्दों या युग्म शब्दों को जोड़ने के लिए किया जाता है। उपरोक्त विकल्पों में विकल्प (द) सही है।

22. किसी बड़े तथा प्रसिद्ध शब्द को संक्षेप में लिखने के लिए उस शब्द का पहला अक्षर लिखकर उसके आगे (०) लगा देते हैं। यह (०) ही .....कहलाता है।
(अ) तुल्यता सूचक चिन्ह
(ब) विस्मयादिबोधक चिन्ह
(स) लाघव चिन्ह
(द) हंसपद चिन्ह

उत्तर-(स) लाघव चिन्ह
जब किसी शब्द को पूरा न लिखकर उसका पहला अक्षर लिखकर आगे शून्य (०) लगा देते हैं, तो उसे लाघव चिन्ह कहते हैं जैसे- डॉक्टर के लिए 'डा.' या उत्तर प्रदेश के लिए उ.प्र.।

23. निम्नलिखित में से किस वाक्य में विस्मयादिबोधक चिन्ह का प्रयोग किया गया है?
(अ) मुझे तुम्हारे आगमन से अपार खुशी है।
(ब) ईश्वर सबका भाग्य-विधाता है।
(स) ओ हो! तुम आ गए।
(द) शिक्षक अत्यंत क्रूर है।

उत्तर-(स) ओ हो! तुम आ गए।
उपरोक्त विकल्प वाक्यों में 'ओ हो! तुम आ गए वाक्य में 'ओ हो' शब्द के बाद (!) जिस चिन्ह का प्रयोग हुआ है, उसे विस्यादिबोधक चिन्ह कहते हैं। यह आश्चर्य, शोक या हर्ष के भाव को प्रकट करता है।

24. निम्नलिखित में से त्रुटि रहित वाक्य का चयन कीजिए-
(अ) सभी लोग अपना-अपना कार्य करें।
(ब) आपकि कविता श्रेष्ठतम है।
(स) पठित समाज में अंधविश्वास नहीं है।
(द) मोहन दो बजे तक मेरी प्रतीक्षा देखना।

उत्तर-(अ) सभी लोग अपना-अपना कार्य करें।
उपरोक्त वाक्य व्याकरण की दृष्टि से पूर्णतः शुद्ध है। बाकी अन्य विकल्प में व्याकरणगत अशुद्धियाँ है।

25. निम्नलिखित में से त्रुटि रहित वाक्य का चयन कीजिए-
(अ) अधिकांस लोगों का यही हाल है।
(ब) मेरे घर पुत्री का जन्म हुआ है।
(स) आकाश बहुत उचा है।
(द) यहाँ कोइ एक भी व्यक्ति नहीं है।

उत्तर-(ब) मेरे घर पुत्री का जन्म हुआ है।
यह वाक्य सरल और व्याकरण के नियमों के अनुसार सही है बाकी अन्य वाक्यों में व्याकरणगत अशुद्धियाँ है।

26. निम्नलिखित में से त्रुटि रहित वाक्य का चयन कीजिए-
(अ) महंत जी को आध्यात्म का अच्छा ज्ञान है।
(ब) मेरा परिक्षा-परणाम कल घोषित होगा।
(स) श्रद्धावान् को ही ज्ञान की प्राप्ति होती है।
(द) वाल्मीकी संस्कृत के आदिकवी माने जाते हैं।

उत्तर-(स) श्रद्धावान् को ही ज्ञान की प्राप्ति होती है।
उपरोक्त वाक्य सरल और व्याकरण के नियमों के अनुसार सही है बाकी अन्य वाक्यों में व्याकरण गत अशुद्धियाँ है।

27. निम्नलिखित में से त्रुटि रहित वाक्य का चयन कीजिए-
(अ) कुमार की बुद्धिमानता सराहनी है।
(ब) बँगला, उडिया, असमी आदि प्रदेशिक भाषा है।
(स) विनय पत्रिका तुलसीदास की श्रेष्ठ रचना है।
(द) उपरिउक्त वाक्य की पुनर्रचना कीजिए।

उत्तर-(स) विनय पत्रिका तुलसीदास की श्रेष्ठ रचना है।
व्याकरण की दृष्टि से विकल्प (स) वाला वाक्य शुद्ध एवं त्रुटि रहित है। अतः विकल्प (स) सही है।

28. निम्नलिखित में से त्रुटि रहित वाक्य का चयन कीजिए-
(अ) स्वालम्बन पर प्राण निछावर।
(ब) घटना स्थल पर काफी भीड़ एकत्र हो गई।
(स) प्रायः लोग देहिक सुख चाहते हैं।
(द) इसका उत्तरदाई कौन है?

उत्तर-(ब) घटना स्थल पर काफी भीड़ एकत्र हो गई।
उपरोक्त वाक्य सरल और व्याकरण एवं वर्तनी प्रयोग की दृष्टि से सही है बाकी अन्य वाक्य में व्याकरणगत अशुद्धियाँ है। अतः विकल्प (ब) त्रुटि रहित वाक्य है।

29. निम्नलिखित में से त्रुटि रहित वाक्य का चयन कीजिए-
(अ) मेरे लिए अंग्रेजी कठिन विषय है।
(ब) समस्या का तत्कालिक समाधान करें।
(स) इस इमारत की इतिहासिकता संदिग्ध है।
(द) संगम तट पर भिखारियों की बाहुल्यता है।

उत्तर-(अ) मेरे लिए अंग्रेजी कठिन विषय है।
विकल्प व्याकरण की दृष्टि से पूरी तरह सही है। विकल्प 'ब' में तत्कालिक की जगह **'तत्काल'** या विकल्प 'स' में इतिहासिक की जगह **'ऐतिहासिक'** और विकल्प 'द' में बाहुलता की जगह **'बहुलता'** होना चाहिए। अतः विकल्प 'अ' सही उत्तर है।

30. वर्तनी, व्याकरण एवं अनावश्यक शब्दों के प्रयोग की दृष्टि से, निम्नलिखित में से कौन-सा एक वाक्य अशुद्ध है?
(अ) तुम तीन बजे तक मेरी प्रतीक्षा देखना।
(ब) प्रामाणिक पुस्तकों का अध्ययन करें।
(स) मुकेश को परीक्षा में अच्छे अंक मिले।
(द) विधायक जी आगामी सोमवार को आएँगे।

उत्तर-(अ) तुम तीन बजे तक मेरी प्रतीक्षा देखना।
यहाँ पर प्रतीक्षा देखना के स्थान पर प्रतीक्षा करना शब्द का प्रयोग होगा अतः वर्तनी एवं व्याकरण की दृष्टि से यह वाक्य अशुद्ध है।

31. वर्तनी, व्याकरण एवं अनावश्यक शब्दों के प्रयोग की दृष्टि से, निम्नलिखित में से कौन-सा एक वाक्य अशुद्ध है?
(अ) जब गरीब जागेगा तब क्रान्ति होगी।
(ब) भगवान भाष्कार को प्रड़ाम करो।
(स) दीपावली हिन्दुओं का प्रमुख त्योहार है।
(द) बादाम का तेल त्वचा और बालों के लिए बहुत गुणकारी है।

उत्तर-(ब) भगवान भाष्कार को प्रड़ाम करो।
उपरोक्त दिए गए विकल्पों में वर्तनी एवं व्याकरण की दृष्टि से विकल्प (ब) अशुद्ध वाक्य है अतः विकल्प (ब) सही उत्तर है।

32. वर्तनी, व्याकरण एवं अनावश्यक शब्दों के प्रयोग की दृष्टि से, निम्नलिखित में से कौन-सा एक वाक्य अशुद्ध है ?
(अ) कालिदास की उपमाएँ बेजोड़ है।
(ब) उसे स्वनिर्मित मिठाइयाँ पसन्द है।
(स) यशोधरा मैथलीशरण गुप्त की श्रेष्ट रचना है।
(द) हिन्दी का व्यावहारिक ज्ञान अपेक्षित है।

उत्तर-(स) यशोधरा मैथलीशरण गुप्त की श्रेष्ट रचना है।
उपरोक्त दिए गए विकल्पों में विकल्प 'स' में श्रेष्ठ की जगह श्रेष्ट का प्रयोग किया गया है जो गलत है अतः विकल्प 'स' त्रुटिपूर्ण वाक्य है।

33. वर्तनी, व्याकरण एवं अनावश्यक शब्दों के प्रयोग की दृष्टि से, निम्नलिखित में से कौन-सा एक वाक्य अशुद्ध है?
(अ) मैं आपकी इच्छा पूरी करूँगा।
(ब) हिन्दी संघ की राजभाषा है।
(स) इस बाल्टी में तीन लीटर पानी भरने की योग्यता है।
(द) आपका स्वास्थ्य कैसा है?

उत्तर-(स) इस बाल्टी में तीन लीटर पानी भरने की योग्यता है।
उपरोक्ता वाक्य में योग्यता शब्द का प्रयोग किया गया है जो कि सजीवों (व्यक्तियों) के लिए उपयोग किया जाता है। निर्जीव वस्तुओं जैसे बाल्टी के लिए 'क्षमता' शब्द का प्रयोग किया जाना था अतः यह अशुद्ध वाक्य है।

34. वर्तनी, व्याकरण एवं अनावश्यक शब्दों के प्रयोग की दृष्टि से, निम्नलिखित में से कौन-सा एक वाक्य अशुद्ध है?
(अ) आपका भविष्य उज्जवल हो।
(ब) भोपाल मध्यप्रदेश की राजधानी है।
(स) आपकी कक्षा में कितने छात्र है?
(द) शोक है कि मैं आपकी सहायता न कर सका।

उत्तर-(द) शोक है कि मैं आपकी सहायता न कर सका।
यह वाक्य वर्तनी प्रयोग की दृष्टि से अशुद्ध है यहाँ शोक शब्द का प्रयोग गलत है। किसी की सहायता न कर पाने पर दुःख या खेद व्यक्त किया जाता है। शौक नहीं। सही वाक्य होना चाहिए खेद है कि मैं आपकी सहायता न कर सका।

35. वर्तनी, व्याकरण एवं अनावश्यक शब्दों के प्रयोग की दृष्टि से, निम्नलिखित में से कौन-सा एक वाक्य अशुद्ध है?
(अ) नारद अस्मृति में बिधवा को पुर्नबियाह की अनुमति दी गई है।
(ब) अधिकारी की टिप्पणी आपके अनुकूल है।
(स) आपका सामान सुरक्षित रहेगा।
(द) निबन्ध में संशोधन किया है।

उत्तर-(अ) नारद अस्मृति में बिधवा को पुर्नबियाह की अनुमति दी गई है।
उपरोक्त वाक्य वर्तनी व्याकरण एवं अनावश्यक शब्दों के प्रयोग की दृष्टि से अशुद्ध वाक्य है अन्य वाक्य व्याकरण की दृष्टि से सही है। अतः विकल्प (अ) सही उत्तर है।

36. निम्नलिखित में से शब्द का अर्थ-बोध करानेवाली शक्ति ..... है।
(अ) शब्द-शक्ति (ब) अनुप्रास
(स) अनुभाव (द) अलंकार

उत्तर-(अ) शब्द-शक्ति
जिस शक्ति के द्वारा शब्द के अर्थ का ज्ञान होता है उसे **'शब्द शक्ति'** कहते हैं। अतः विकल्प (अ) सही है।

37. निम्नलिखित में से किसे 'वृत्ति' या 'व्यापार' कहते हैं?
(अ) अलंकार को
(ब) शब्द-शक्ति को
(स) रस को
(द) रस को एवं अलंकार को

उत्तर-(ब) शब्द-शक्ति को
शब्द शक्ति को 'वृत्ति' या 'व्यापार' भी कहते हैं। व्यंजना शब्द शक्ति से निकलने वाले अर्थ को व्यंग्यार्थ या ध्वनि कहा जाता है। अतः विकल्प (ब) सही है।

38. दिए गए विकल्पों में से शब्द-शक्ति के मूलतः कितने भेद माने गये है?
(अ) एक (ब) आठ
(स) तीन (द) पाँच

उत्तर-(स) तीन
शब्द शक्ति के तीन मुख्य भेद माने गए है-(1) अभिधा (2) लक्षणा (3) व्यंजना। अतः विकल्प (स) सही है।

39. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द-शक्ति का एक भेद (प्रकार) नहीं है?
(अ) अभिधा (ब) लक्षणा
(स) व्यंजना (द) छंद

उत्तर-(द) छंद
अभिधा, लक्षणा, व्यंजना शब्द शक्ति के भेद है जबकि **'छंद'** काव्य का एक अलग अंग है। अतः उपरोक्त विकल्पों में (द) छंद सही है।

40. वाक्य 'कमल ने सुनील से कहा : तुम बैल हो।' इसमें प्रयुक्त शब्द 'बैल' में कौन-सी शब्द-शक्ति है?
(अ) अभिधा (ब) अनुप्रास
(स) लक्षणा (द) तात्पर्या

उत्तर-(स) लक्षणा
''तुम बैल हो'' इस वाक्य में **'बैल'** का अर्थ जानवर नहीं है **'मूर्ख'** है। जब मुख्य अर्थ में बाधा हो और दूसरा अर्थ लिया जाए, तो वहां लक्षणा शब्द शक्ति होती है। अतः विकल्प 'स' सही है।

41. निम्न में से मुहावरों और लोकोक्तियों में जिस शब्द-शक्ति के जरिये अर्थ ग्रहण किया जाता है, वह ..... है।
(अ) व्यंजना (ब) अभिधा
(स) अमिघा (द) लक्षणा

उत्तर-(द) लक्षणा
मुहावरों और लोकोक्तियों में लक्षणा शब्द शक्ति का प्रयोग किया जाता है, क्योंकि मुहावरे अपना सीधा अर्थ न देकर लाक्षणिक अर्थ देते हैं। अतः विकल्प (द) सही है।

42. निम्न में से 'रूढ़ा' और 'प्रयोजनवती' किस शब्द-शक्ति के भेद (प्रकार) है?
(अ) लक्षणा (ब) अमिघा
(स) प्रतिघा (द) व्यंजना

उत्तर-(अ) लक्षणा
'रूढ़ा' और 'प्रयोजनवती' लक्षणा शब्द शक्ति के दो मुख्य प्रकार है। अतः विकल्प 'अ' सही है।

43. निम्न में से अभिधा और लक्षणा के असमर्थ हो जाने पर जिस शब्द-शक्ति के माध्यम से शब्द का अर्थ लिया जाता है, वह .....है।
(अ) अमिधा (ब) व्यंजना
(स) प्रतिघा (द) सतिघा

उत्तर-(ब) व्यंजना
जहाँ अभिधा और लक्षणा के असमर्थ होने पर अर्थ निकलता है तो वह व्यंजना शब्द शक्ति कहलाती है। अर्थात् जब शब्द का मुख्य अर्थ और लक्ष्यार्थ अर्थ काम न करे और कोई तीसरा (व्यंग्य) अर्थ निकले तो वह व्यंजना शब्द शक्ति कहलाती है।

44. निम्न में से लक्षणा शक्ति के लिए कौन-सा/से कथन आवश्यक है?
1.मुख्यार्थ या वाच्यार्थ की बाधा
2.लक्ष्यार्थ का मुख्यार्थ से संबधित होना
(अ) केवल 1
(ब) केवल 2
(स) दोनों 1 और 2
(द) न तो 1 और न ही 2

उत्तर-(स) दोनों 1 और 2
लक्षणा शब्द शक्ति वहां होती है जहाँ शब्द के मुख्य अर्थ (अभिधा) में बाधा उत्पन्न हो और मुख्य अर्थ से संबंधित कोई अन्य अर्थ लक्ष्यार्थ) ग्रहण किया जाए अर्थात् मुख्यार्थ और लक्ष्यार्थ में संबंध हो। अतः विकल्प (स) 1 और 2 दोनों लक्षणा शब्द शक्ति के लिए सही है।

45. जितने प्रकार के शब्द होंगे उतने ही प्रकार की शक्तियाँ होंगी। निम्न में से कौन-सा इस संबंध में शब्द का प्रकार नहीं है?
(अ) वाचक (ब) लक्षक
(स) व्यंजक (द) आभिघा

उत्तर-(द) आभिघा
हिन्दी व्याकरण में शब्द के तीन मुख्य प्रकार माने गए है, वाचक (अभिधा के लिए), लक्षक (लक्षणा के लिए) और व्यंजक (व्यंजना के लिए)। अभिघा शब्द शक्ति का एक प्रकार नहीं है इसका अर्थ होता है-मांस । अतः सही उत्तर विकल्प (द) है।

46. निम्न में से शब्द और अर्थ के अनुरूप ही शब्द की तीन शक्तियाँ ..... होती हैं।
(अ) अभिधा, लक्षणा एवं व्यंजना
(ब) आभिघ, लक्षणा एवं प्रतिघा
(स) प्रतिघा, लक्षणा एवं सात्वना
(द) आभिघा, लक्षणा एवं विभवना

उत्तर-(अ) अभिधा, लक्षणा एवं व्यंजना
काव्यशास्त्र में शब्द की तीन शक्तियाँ मानी गईहै अभिधा (साधारण अर्थ), लक्षण (विशेष अर्थ) एवं व्यंजना (गूढ़ अर्थ)। अतः विकल्प 'अ' सही उत्तर है।

47. निम्न में से कौन-सा एक यौगिक शब्द नहीं है?
(अ) आग (ब) चारपाई
(स) चौपाई (द) जलज

उत्तर-(अ) आग
उपरोक्त विकल्पों में 'आग' एक रूढ़ शब्द है क्योंकि इसका खंडन करने पर कोई अर्थ नहीं निकलता है। जबकि अन्य शब्द चारपाई, चौपाई एवं जलज दो शब्दों के योग से बने है अर्थात् यौगिक शब्द है। अतः विकल्प (अ) सही उत्तर है।

48. निम्न में से कौन-सा एक योगरूढ़ शब्द नहीं है?
(अ) लम्बोदर (ब) दुर्जन
(स) चंद्रशेखर (द) दशानन

उत्तर-(ब) दुर्जन
योगरूढ़ शब्द वे होते हैं, जो दो शब्दों के योग से तो मिलकर बने होते हैं पर किसी विशेष अर्थ के लिए प्रसिद्ध हो जाते हैं जैसे लम्बोदर-गणेश, दशानन-रावण, चंद्रशेखर-शिव। 'दुर्जन' एक सामान्य यौगिक शब्द है। अतः विकल्प (ब) सही उत्तर है।

49. दिए गए विकल्पों में से ..... को 'शब्द की प्रथमा शक्ति' भी कहा जाता है।
(अ) व्यंजना (ब) लक्षणा
(स) अभिधा (द) अनुप्रास

उत्तर-(स) अभिधा
'अभिधा' शब्द शक्ति को शब्द की छटा भी कहा जाता है। अभिधा शब्द शक्ति का अर्थ है शब्द का मुख्य सीधा और लोक प्रसिद्ध अर्थ ग्रहण करना इसे वाचक या अग्रिमा शब्द शक्ति भी कहते हैं जो शब्द कोशीय अर्थ का बोध कराती है इसमें वक्ता का आशय, श्रोता तुरंत समझ लेता है।

50. ''वास्तव में व्यंग्यार्थ या लक्ष्यार्थ के कारण चमत्कार आता है; परन्तु वह चमत्कार होता है वाच्यार्थ में ही। यह मत निम्न में से किसका है?
(अ) महादेवी वर्मा
(ब) रामधारी सिंह दिनकर
(स) महात्मा गांधी
(द) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

उत्तर-(द) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
उपरोक्त मत आचार्य रामचंद्र जी शुक्ल का है। अतः विकल्प (द) सही उत्तर है।

51.''जो सुन पड़े सो शब्द है, समुझि परै सो अर्थ'' यह निम्न में से किसने लिखा है?
(अ) आचार्य चिन्तामणि(ब) कालिदास
(स) तुलसीदास (द) रैदास

उत्तर-(अ) आचार्य चिन्तामणि
उपरोक्त पंक्तियाँ आचार्य चिंतामणि ने लिखी है जो शब्द और अर्थ के संबंध को स्पष्ट करती है। अतः विकल्प (अ) सही उत्तर है।

52. 'अभिधा' शक्ति द्वारा तीन प्रकार के शब्दों का अर्थ-बोध होता हैं, निम्न में से कौन-सा एक इसका प्रकार नहीं है?
(अ) रूढ़ (ब) अनुप्रास
(स) यौगिक (द) योगरूढ़

उत्तर-(ब) अनुप्रास
अभिधा शब्द शक्ति के द्वारा तीन प्रकार के शब्दों का अर्थ बोध होता है-रूढ़, यौगिक एवं योगरूढ़ जबकि अनुप्रास एक अलंकार है। अतः सही उत्तर विकल्प (ब) सही है।

53. निम्न में से रूढ़ शब्द का चयन कीजिए-
(अ) विद्यालय (ब) गौशाला
(स) आग (द) विज्ञान

उत्तर-(स) आग
रूढ़ शब्द वे होते हैं जिनके खंड करने पर कोई सार्थक अर्थ नहीं निकलता। जैसे- 'आग' शब्द को तोड़ने पर 'आ' और 'अ' का अलग अर्थ नहीं है जबकि अन्य विकल्प (विद्यालय = विद्या + आलय, गौशाला = गौ + शाला एवं विज्ञान = वि + ज्ञान) सभी यौगिक शब्द है। अतः विकल्प (स) सही है।

54. निम्न में से, जिन शब्दों का कोई भी खण्ड सार्थक नहीं होता, वे .....कहलाते है।
(अ) यौगिक (ब) योगरूढ़
(स) रूढ़ (द) व्यंजना

उत्तर-(स) रूढ़
जिन शब्दों का कोई भी खण्ड सार्थक नहीं होता, वे रूढ़ शब्द कहलाते हैं अतः विकल्प (स) सही उत्तर है।

55. शास्त्रीय परिभाषा के अनुसार, मुख्यार्थ के बाधित होने पर जिस शक्ति के द्वारा मुख्यार्थ से संबंधित अन्य अर्थ रूढ़ि या प्रयोजन के कारण लिया जाए, वह.....है।
(अ) प्रयोजन (ब) रूढ़ि
(स) अभिधा (द) लक्षणा

उत्तर-(द) लक्षणा
जब किसी शब्द के मुख्य अर्थ (वाच्यार्थ) से काम न चले और उससे जुड़ा कोई दुसरा अर्थ लिया जाए, तो वहां 'लक्षणा' शब्द शक्ति होती है। अतः विकल्प (द) सही है।

56. शब्द और अर्थ के अनुरूप शब्द की तीन शक्तियाँ-अभिधा, लक्षणा एवं व्यंजना होती हैं। निम्न में से व्यंजना के कितने भेद होते है?
(अ) 2 (ब) 4
(स) 6 (द) 8

उत्तर-(अ) 2
व्यंजना शब्द शक्ति के मुख्यतः दो भेद होते हैं- शाब्दी व्यंजना और आर्थी व्यंजना। शाब्दी व्यंजना मतलब शब्द पर आधारित एवं आर्थी व्यंजना मतलब अर्थ पर आधारित परन्तु यह अर्थ प्रसंगानुसार व्यक्ति दर व्यक्ति बदल सकता है अतः विकल्प (अ) सही उत्तर है।

57. शब्द-शक्ति के संदर्भ में, निम्न में से .....का व्यापार केवल शब्दों में होता है, किन्तु व्यंजना का व्यापार शब्द और अर्थ दोनों में होता है।
(अ) छंद और विभाव
(ब) अभिधा और लक्षणा
(स) वाचक और लक्षक
(द) रस और छंद

उत्तर-(ब) अभिधा और लक्षणा
शब्द शक्ति के संदर्भ में अभिधा और लक्षणा का व्यापार शब्दों में होता है किन्तु व्यंजना का व्यापार शब्द और अर्थ दोनों में होता है अतः विकल्प (ब) सही है।

58. निम्न में से सही यौगिक शब्दों का चयन कीजिए-
(अ) नीलकण्ठ,पंकज (ब) दिन, चींटी
(स) बुद्धिमान, रेलगाड़ी (द) धन, मत

उत्तर-(स) बुद्धिमान, रेलगाड़ी
यौगिक शब्द दो सार्थक शब्दों के मेल से बनते हैं। बुद्धि+मान और **'रेल'+'गाड़ी'** दोनों के खंड सार्थक है। विकल्प (स) में दिए गए शब्द **'यौगिक'** है।

गद्यांश

निर्देशः नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्न 59-63 के सबसे उचित उत्तर वाले विकल्पों का चयन कीजिए-

विधाता-रचित इस सृष्टि का सिरमौर है मनुष्य। उसकी कारीगरी का सर्वोत्तम नमूना! इस मानव को ब्रह्मांड का लघु रूप मानकर भारतीय दार्शनिकों ने 'यत् पिण्डे तत् ब्रह्मांडे' की कल्पना की थी। उनकी यह कल्पना मात्र कल्पना नहीं थी, प्रत्युत यथार्थ भी थी क्योंकि मानव-मन में जो विचारणा के रूप में घटित होता है, उसी का कृति रूप ही तो सृष्टि है। मन तो मन, मानव का शरीर भी अप्रतिम है।

देखने में इससे भव्य, आकर्षक एवं लावण्यमय रूप सृष्टि में अन्यत्र कहाँ है? अद्भुत एवं अद्वितीय है मानव-सौंदर्य! साहित्यकारों ने इसके रूप-सौंदर्य के वर्णन के लिए कितने ही अप्रस्तुतों का विधान किया है और इस सौंदर्य-राशि से सभी को आप्यायित करने के लिए अनेक काव्य सृष्टियाँ रच डाली हैं, साहित्यशास्त्रियों ने भी इसी मानव की भावनाओं का विवेचन करते हुए अनेक रसों का निरूपण किया है। परंतु वैज्ञानिक दृष्टि से विचार किया जाए तो मानव-शरीर को एक जटिल यंत्र से उपमित किया जा सकता है।

जिस प्रकार यंत्र के एक पुर्जे में दोष आ जाने पर सारा यंत्र गड़बड़ा जाता है, बेकार हो जाता है उसी प्रकार मानव-शरीर के विभिन्न अवयवों में से यदि कोई एक अवयव भी बिगड़ जाता है तो उसका प्रभाव सारे शरीर पर पड़ता है। इतना ही नहीं, गुर्दे जैसे कोमल एवं नाजुक हिस्से के खराब हो जाने से यह गतिशील यंत्र एकाएक अवरुद्ध हो सकता है, व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है। एक अंग के विकृत होने पर सारा शरीर दंडित हो, वह कालकवलित हो जाए-यह विचारणीय है।

यदि किसी यंत्र के पुर्जे को बदलकर उसके स्थान पर नया पुर्जा लगाकर यंत्र को पूर्ववत सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से क्रियाशील बनाया जा सकता है तो शरीर के विकृत अंग के स्थान पर नव्य निरामय अंग लगाकर शरीर को स्वस्थ एवं सामान्य क्यों नहीं बनाया जा सकता? शल्य-चिकित्सकों ने इस दायित्वपूर्ण चुनौती को स्वीकार किया तथा निरंतर अध्यवसाय पूर्णसाधना के अनंतर अंग-प्रत्यारोपण के क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सके ।

यहाँ यह ध्यातव्य है कि मानव-शरीर हर किसी के अंग को उसी प्रकार स्वीकार नहीं करता, जिस प्रकार हर किसी का रक्त उसे स्वीकार्य नहीं होता। रोगी को रक्त देने से पूर्व रक्त-वर्ग का परीक्षण अत्यावश्यक है, तो अंग-प्रत्यारोपण से पूर्व ऊतकपरीक्षण अनिवार्य है। आज का शल्य-चिकित्सक गुर्दे, यकृत, आँत, फेफड़े और हृदय का प्रत्यारोपण सफलता पूर्वक कर रहा है। साधन-संपन्न चिकित्सालयों में मस्तिष्क के अतिरिक्त शरीर के प्रायः सभी अंगों का प्रत्यारोपण संभव हो गया है।

59. दिए गए विकल्पों में से उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक का चयन कीजिए।

(अ) मानव अंग प्रत्यारोपण
(ब) ब्रह्मांड का लघु रूप
(स) भारतीय दार्शनिकों का विवेचन
(द) साहित्यकारों का सौंदर्य वर्णन

उत्तर-(अ) मानव अंग प्रत्यारोपण
दिए गए विकल्पों में गद्यांश के लिए उचित शीर्षक **'मानव अंग प्रत्यारोपण'** होगा। अतः विकल्प (अ) सही है।

60. निम्न में से 'एकाएक' में कौन-सा समास है?

(अ) द्वंद्व समास
(ब) अव्ययीभाव समास
(स) द्विगु समास
(द) बहुब्रीहि समास

उत्तर-(ब) अव्ययीभाव समास
दिए गए शब्द 'एकाएक' में अव्ययीभाव समास है अव्ययीभाव समास वह समास है जिसमें पहला पद प्रधान और अव्यय (या उपसर्ग) होता है जिससे पूरा शब्द क्रिया विशेषण की तरह अव्यय बन जाता है। इसमें पहला पद मुख्य होता है (जैसे- आ, यथा, प्रति, भर हर, वे आदि) उदा. प्रतिदिन यथाशक्ति, आजीवन आदि अतः विकल्प (ब) सही है।

61. उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार असत्य कथन का चयन कीजिए-

(अ) मानव-शरीर हर किसी के अंग को उसी प्रकार स्वीकार नहीं करता, जिस प्रकार हर किसी का रक्त उसे स्वीकार्य नहीं होता।
(ब) जिस प्रकार यंत्र के एक पुर्जे में दोष आ जाने पर सारा यंत्र गड़बड़ा जाता है, बेकार हो जाता है उसी प्रकार मानव-शरीर के विभिन्न अवयवों में से यदि कोई एक अवयव भी बिगड़ जाता है तो उसका प्रभाव सारे शरीर पर पड़ता है।
(स) रोगी को रक्त देने से पूर्व रक्त-वर्ग का परीक्षण आवश्यक नहीं है, तो अंग-प्रत्यारोपण से पूर्व ऊतकपरीक्षण अनिवार्य भी नहीं है।
(द) गुर्दे जैसे कोमल एवं नाजुक हिस्से के खराब हो जाने से यह गतिशील यंत्र एकाएक अवरुद्ध हो सकता है, व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है।

उत्तर-(स) रोगी को रक्त देने से पूर्व रक्त-वर्ग का परीक्षण आवश्यक नहीं है, तो अंग-प्रत्यारोपण से पूर्व ऊतकपरीक्षण अनिवार्य भी नहीं है।
दिए गए गद्यांश के अनुसार विकल्प (स) वाला कथन असत्य है।

62. उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार, आज का शल्य-चिकित्सक.... सफलता पूर्वक कर रहा है।

(अ) फेफड़े और हृदय का प्रत्यारोपण
(ब) गुर्दे एवं यकृत का प्रत्यारोपण
(स) हृदय का प्रत्यारोपण
(द) गुर्दे, यकृत, आँत, फेफड़े और हृदय का प्रत्यारोपण

उत्तर-(द) गुर्दे, यकृत, आँत, फेफड़े और हृदय का प्रत्यारोपण
शल्य चिकित्सक गुर्दे, यकृत, आंत, फेफड़े और हृदय का प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक कर रहा है अतः विकल्प (द) सही है।

63. उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार पूर्णतः सत्य कथन का चयन कीजिए-

(अ) जिस प्रकार यंत्र के एक पुर्जे में दोष आ जाने पर सारा यंत्र गड़बड़ा जाता है, बेकार हो जाता है उसी प्रकार मानव-शरीर के विभिन्न अवयवों में से यदि कोई एक अवयव भी बिगड़ जाता है तो उसका प्रभाव सारे शरीर पर पड़ता है।
(ब) जिस प्रकार यंत्र के एक पुर्जे में दोष आ जाने पर सारा यंत्र गड़बड़ा जाता है, पर बेकार नहीं होता है उसी प्रकार मानव-शरीर के विभिन्न अवयवों में से यदि कोई एक अवयव भी बिगड़ जाता है तो उसका प्रभाव सारे शरीर पर पड़ता है।
(स) जिस प्रकार यंत्र के एक पुर्जे में दोष आ जाने पर सारा यंत् गड़बड़ा जाता है, बेकार हो जाता है उसी प्रकार मानव-शरीर के विभिन्न अवयवों में से यदि कोई एक अवयव भी बिगड़ जाता है तो उसका प्रभाव सारे शरीर पर कभी नहीं पड़ता है।
(द) जिस प्रकार यंत्र के एक पुर्जे में दोष आ जाने पर सारा यंत्र स्वतः ही, ठीक हो जाता है उसी प्रकार मानव-शरीर के विभिन्न अवयवों में से कोई अवयव भी नहीं बिगड़ता है तो उसका प्रभाव सारे शरीर पर पड़ता है।

उत्तर-(अ) जिस प्रकार यंत्र के एक पुर्जे में दोष आ जाने पर सारा यंत्र गड़बड़ा जाता है, बेकार हो जाता है उसी प्रकार मानव-शरीर के विभिन्न अवयवों में से यदि कोई एक अवयव भी बिगड़ जाता है तो उसका प्रभाव सारे शरीर पर पड़ता है।
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार विकल्प (अ) जिस प्रकार यंत्र के एक पूर्जे में दोष आ जाने पर सारा यंत्र गड़बड़ा जाता है, उसी प्रकार मानव शरीर के विभिन्न अवयवों में से यदि कोई एक अवयव भी बिगड़ जाता है तो उसका प्रभाव सारे शरीर पर पड़ता है सत्य है। अतः उत्तर विकल्प (अ) है।

काव्यांश

निर्देशः काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्न 64-68 के सबसे उचित उत्तर वाले विकल्पों का चयन कीजिए-

कलम उठी कविता लिखने को,
अन्तस्तल में ज्वार उठा रे!
सहसा नाम पकड़ कायर का
पश्चिम पवन पुकार उठा रे!
देखा, शून्य कुँवर का गढ़ है,
झाँसी की वह शान नहीं है;
दुर्गादास-प्रताप बली का,
प्यारा राजस्थान नहीं है।
जलती नहीं चिता जौहर की,
मुठ्ठी में बलिदान नहीं है;
टेढ़ी मूँछ लिये रण-वन,
फिरना अब तो आसान नहीं है।
समय माँगता मूल्य मुक्ति का,
देगा कौन मांस की बोटी?
पर्वत पर आदर्श मिलेगा,
खायें, चलो घास की रोटी।
चढ़े अश्व पर सेंक रहे रोटी नीचे कर भालों को,
खोज रहा मेवाड़ आज फिर उन अल्हड़ मतवालों को।

64. निम्न में से उपर्युक्त पंक्तियों के रचयिता का नाम बताइए-

(अ) भारत भूषण
(ब) भवानीप्रसाद मिश्र
(स) बालकृष्ण शर्मा नवीन
(द) रामधारी सिंह दिनकर

उत्तर-(द) रामधारी सिंह दिनकर
दिए गए पद्यांश के रचयिता रामधारी सिंह दिनकर है इस कविता में वीरता और राष्ट्रीयता का स्वर मुखर है। अतः विकल्प (द) सही है।

65. उपर्युक्त पंक्तियों के संदर्भ में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

.....पर आदर्श मिलेगा, खायें, चलो घास की .....

(अ) मांस, बोटी (ब) प्रताप, रोटी
(स) पर्वत, रोटी (द) बलिदान, जौहरी

उत्तर-(स) पर्वत, रोटी
दिए गए पद्यांश अनुसार रिक्त स्थान में पर्वत एवं रोटी का प्रयोग होगा। ''पर्वत पर आदर्श मिलेगा, खायें, चलो घास की रोटी।'' अतः विकल्प (स) सही है।

66. निम्न में से 'सहसा' का पर्यायवाची शब्द क्या है?
(अ) निस्साहस (ब) अकस्मात्
(स) कायरता (द) भय

उत्तर-(ब) अकस्मात्
दिए गए शब्द सहसा का पर्यायवाची शब्द अकस्मात् है। पर्यायवाची शब्द वे शब्द जिनका अर्थ समान या मिलता जुलता होता है, जो भाषा को अधिक स्पष्ट और प्रभावशाली बनाते हैं अतः विकल्प (ब) सही है।

67. उपर्युक्त पंक्तियों के अनुसार समय किसका मूल्य माँगता है?
(अ) मुक्ति का (ब) भक्ति का
(स) मुठठी का (द) झाँसी का

उत्तर-(अ) मुक्ति का
दिए गए पद्यांश के अनुसार समय 'मुक्ति का' मूल्य मांगता है। अतः विकल्प (अ) सही है।

68. वाक्य 'अपने कर्तव्य का निर्णय न कर सकने वाला' के लिए एक शब्द का चयन कीजिए-
(अ) लोमश (ब) झक्की
(स) अमराई (द) किंकर्तव्यविमूढ़

उत्तर-(द) किंकर्तव्यविमूढ़
उपरोक्त दिए गए वाक्य 'अपने कर्तव्य का निर्णय न कर सकने वाला के लिए एक शब्द 'किंकर्तव्यमूढ़' होगा अतः विकल्प (द) सही है।

69. निम्न में से कार्यालयी कार्य में Noting का अर्थ क्या है?
(अ) टिप्पण लिखना (ब) मसौदा बोलना
(स) सूचना बोलना (द) ज्ञापन सुनना

उत्तर-(अ) टिप्पण लिखना
सरकारी कार्यालयों में किसी मामले के निपटान के लिए लिखी जाने वाली संक्षिप्त टिप्पणी को Noting या 'टिप्पण' कहा जाता है। अतः विकल्प (अ) सही है।

70. निम्न में से 'अवलोकनार्थ' प्रस्तुत अभ्युक्ति किस वर्ग की है?
(अ) सूक्ष्म टिप्पण
(ब) सामान्य टिप्पण
(स) सम्पूर्ण टिप्पण
(द) सूक्ष्म या सम्पूर्ण टिप्पण

उत्तर-(ब) सामान्य टिप्पण
'अवलोकनार्थ प्रस्तुत' एक मानक वाक्यांश है जिसका उपयोग सरकारी कार्यालयों में फाइलों को आगे बढ़ाने के लिए किया जाता है यह सामान्य टिप्पणी का एक हिस्सा है इसका अर्थ किसी दस्तावेज को उच्चाधिकारी के सामने केवल उनके देखने या जानकारी प्राप्त करने के लिए पेश करना। अतः विकल्प (ब) सही है।

71. निम्न में से Contingent Noting का हिंदीकृत रूप .....है।
(अ) सामान्य टिप्पण (ब) सम्पूर्ण टिप्पण
(स) आनुषंगिक टिप्पण(द) सूक्ष्म टिप्पण

उत्तर-(स) आनुषंगिक टिप्पण
कार्यालयी शब्दावली में Contingent Noting को 'आनुषंगिक टिप्पण' कहा जाता है। आनुषंगिक टिप्पण वह टिप्पणी होती है जो किसी मुख्य टिप्पणी के सहायक के रूप में या किसी आकस्मिक विषय पर व्यक्त करने के लिए लिखी जाती है। अतः विकल्प (स) सही है।

72. निम्न में से, किसी भी विचाराधीन पत्र के निस्तारण के लिए लिखी जाने वाली अभ्युक्ति को टिप्पणी कहते हैं तो टिप्पणी लिखने की कला या प्रक्रिया को क्या कहेंगे?
(अ) अनुस्मारक (ब) प्रारूपण
(स) सम्बोधन (द) टिप्पण

उत्तर-(द) टिप्पण
टिप्पणी लिखने की प्रक्रिया को टिप्पण (Noting) कहा जाता है। किसी भी विचाराधीन पत्र या मामले के निस्तारण के लिए उस पर जो विचार निर्देश या सुझाव लिखे जाते हैं, उसे टिप्पण कहते हैं। टिप्पण हमेशा संक्षिप्त तटस्थ और स्पष्ट भाषा में लिखा जाता है। अतः विकल्प (द) सही है।

73. निम्न में से किस प्रारूप में 'सम्बोधन' और 'स्वनिर्देश' नहीं होता है?
(अ) सरकारी पत्र (ब) अनुस्मारक
(स) ज्ञापन
(द) अर्द्ध-शासकीय पत्र

उत्तर-(स) ज्ञापन
ज्ञापन में औपचारिक सम्बोधन (जैसे-महोदय) और स्वनिर्देश (जैसे-भवदीय) का प्रयोग नहीं किया जाता है। इसका प्रयोग आमतौर पर एक ही मंत्रालय या विभाग के भीतर सूचनाओं के आदान-प्रदान अधीनस्थ कर्मचारियों को सूचना देने या किसी आवेदन का उत्तर देने के लिए किया जाता है।

74. निम्न में से किस प्रारूप में 'सम्बोधन' और 'स्वनिर्देश' होता है?
(अ) अर्द्ध-शासकीय पत्र
(ब) सरकारी पत्र
(स) अनुस्मारक
(द) अर्द्ध-शासकीय पत्र, सरकारी पत्र एवं अनुस्मारक

उत्तर-(द) अर्द्ध-शासकीय पत्र, सरकारी पत्र एवं अनुस्मारक
अर्द्धशासकीय पत्र, सरकारीपत्र एवं अनुस्मारक इन तीनों ही औपचारिक और अर्द्ध औपचारिक पत्रों में प्रेषक और प्राप्तकर्ता के बीच शिष्टाचार के लिए संबोधन और अंत में स्वनिर्देश का प्रयोग किया जाता है। अतः विकल्प (द) सही है।

75. निम्न में से Ordinance का हिन्दीकृत रूप ..... है।
(अ) अध्यादेश (ब) महामहिम
(स) मानवीय (द) भवदीय

उत्तर-(अ) अध्यादेश
Ordinance को हिन्दी में 'अध्यादेश' कहा जाता है, जो सरकार द्वारा जारी किया गया एक अस्थायी कानून होता है। अतः विकल्प (अ) सही है।

76. निम्न में से Notification का हिन्दीकृत रूप ....है।
(अ) संकल्प (ब) अधिसूचना
(स) प्रस्तावना (द) भवदीय

उत्तर-(ब) अधिसूचना
Notification का हिन्दीकृत रूप अधिसूचना है इसका उपयोग सरकारी राजपत्र में प्रकाशित आधिकारिक सूचनाओं के लिए किया जाता है। अधिसूचना एक औपचारिक सूचना होती है इसका मुख्य उद्देश्य सरकारी नियमों, आदेशों, नियुक्तियों, तबादलों या वैधानिक शक्तियों के लागू होने की जानकारी आम जनता और संबंधित आधिकारियों तक पहुँचना होता है। इस प्रकार विकल्प (ब) सही है।

77. निम्न में से अधिसूचना की समाप्ति पर स्वनिर्देश के स्थान पर ..... होता है।
(अ) शुभचिंतक
(ब) भवदीय
(स) हस्ताक्षर एवं पदनाम-सचिव/उपसचिव
(द) महोदया

उत्तर-(स) हस्ताक्षर एवं पदनाम-सचिव/उपसचिव
अधिसूचना के अंत में दाई ओर संबंधित अधिकारी के हस्ताक्षर और उसका पदनाम अंकित होता है। अतः विकल्प (स) सही है।

78. निम्नलिखित में कौन-सा कार्यालयी प्रारूप है?
(अ) कार्यालय आदेश
(ब) सरकारी पत्र
(स) अनुस्मारक पत्र
(द) अनुस्मारक पत्र, सरकारी पत्र एवं कार्यालय आदेश

उत्तर-(द) अनुस्मारक पत्र, सरकारी पत्र एवं कार्यालय आदेश
उपरोक्त सभी विकल्प सरकारी या कार्यालयी कामकाज में उपयोग किए जाने वाले पत्रों के विभिन्न प्रारूप है। अतः विकल्प (द) सही है।

79. निम्न में से कथन 'भक्तिआन्दोलन भारतीय चिन्ताधारा का स्वाभाविक विकास है।' किस कवि का है?
(अ) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
(ब) भगवतीचरण वर्मा
(स) पं.हजारीप्रसाद द्विवेदी
(द) जयशंकर प्रसाद

उत्तर-(स) पं.हजारीप्रसाद द्विवेदी
आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ने हिन्दी साहित्य के इतिहास की व्याख्या करते हुए भक्ति आंदोलन को भारतीय परंपरा का स्वभाविक विकास माना है। अतः विकल्प (स) सही है।

80. निम्न में से कथन 'बुद्धदेव के बाद भारत के सर्वाधिक बड़े लोकनायक तुलसीदास है।' किस कवि का है?
(अ) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'(ब) भगवतीचरण वर्मा
(स) हरिशंकर परसाई (द) जॉर्ज ग्रियर्सन

उत्तर-(द) जॉर्ज ग्रियर्सन
प्रसिद्ध भाषाविद् और साहित्येतिहासकार जॉर्ज ग्रियर्सन ने तुलसीदास के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्हें बुद्ध के बाद सबसे बड़ा लोकनायक कहा था। अतः विकल्प (द) सही है।

81. निम्न में से कथन 'ज्ञान राशि के संचित कोश का नाम साहित्य है।' किस कवि का है?
(अ) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
(ब) भगवतीचरण वर्मा
(स) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(द) जयशंकर प्रसाद

उत्तर-(स) महावीर प्रसाद द्विवेदी
कथन 'ज्ञान राशि के संचित कोश का नाम साहित्य है।' यह महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा दी गई साहित्य की एक बहुत ही प्रसिद्ध परिभाषा है। अतः विकल्प (स) सही है।

82. निम्न में से कथन 'साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है।' किस कवि का है?
(अ) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (ब) भगवतीचरण वर्मा
(स) हरिशंकर परसाई (द) बालकृष्ण भट्ट

उत्तर-(द) बालकृष्ण भट्ट
कथन 'साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है।' यह बालकृष्ण भट्ट द्वारा कहा गया है अतः विकल्प (द) सही है।

83. निम्न में से कथन 'साहित्य का उद्देश्य दबे-कुचले हुए वर्ग की मुक्ति का होना चाहिए।' किस कवि का है?
(अ) प्रेमचन्द (ब) भगवतीचरण वर्मा
(स) हरिशंकर परसाई (द) जयशंकर प्रसाद

उत्तर-(अ) प्रेमचन्द
कथन ''साहित्य का उद्देश्य दबे-कुचले हुए वर्ग की मुक्ति का होना चाहिए।'' मुंशी प्रेमचंद द्वारा कहा गया है। उन्होंने साहित्य को राजनीति के आगे चलने वाली मशाल माना है एवं प्रगतिशील साहित्य का उद्देश्य शोषित वर्ग की मुक्ति बताया है। इस प्रकार विकल्प (अ) सही है।

84. निम्न में से कथन 'हिन्दी नयी चाल में ढली।' किस कवि का है?
(अ) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
(ब) भारतेंदु हरिश्चन्द्र
(स) हरिशंकर परसाई
(द) जयशंकर प्रसाद

उत्तर-(ब) भारतेंदु हरिश्चन्द्र
'हिन्दी नई चाल में ढली' यह कथन भारतेन्दु हरिश्चंद्र ने हिन्दी भाषा के आधुनिक रूप (खड़ी बोली) के विकास के संदर्भ में कहा था। अतः विकल्प (ब) सही है।

85. निम्न में से कथन 'कर्म का भोग, भोग का कर्म, यही जड़ चेतन का आनन्द।' किस कवि का है?
(अ) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (ब) भगवतीचरण वर्मा
(स) जयशंकर प्रसाद (द) हरिशंकर परसाई

उत्तर-(स) जयशंकर प्रसाद
यह प्रसिद्ध पंक्ति कर्म का भोग, भोग का कर्म जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित महाकाव्य कामायनी से ली गई है। अतः विकल्प (स) सही प्रतीत होता है।

86. निम्न में से भक्ति सम्प्रदाय और उनके प्रवर्तक के संबंध में असंगत विकल्प का चयन कीजिए
(अ) श्री सम्प्रदाय - रामानुज
(ब) सनक सम्प्रदाय - निम्बार्क
(स) उदासी सम्प्रदाय - रैदास
(द) ब्राह्म सम्प्रदाय - मध्वाचार्य

उत्तर-(स) उदासी सम्प्रदाय - रैदास
यह मिलान गलत है, क्योंकि उदासीन संप्रदाय के प्रवर्तक श्रीचंद है न कि रैदास अतः विकल्प (स) वाला मिलान गलत है और यही पूछा गया है।

87. निम्न में से भक्ति सम्प्रदाय और उनके प्रवर्तक के संबंध में संगत विकल्प का चयन कीजिए।
(अ) श्री सम्प्रदाय - रामानुज
(ब) सनक सम्प्रदाय - निम्बार्क
(स) ब्राह्म सम्प्रदाय - मध्वाचार्य
(द) दिए गए तीनों विकल्प सही है।

उत्तर-(द) दिए गए तीनों विकल्प सही है।
सभी मिलान सही है श्री संप्रदाय (रामानुज) सनक संप्रदाय (निंबार्काचार्य), ब्रह्म संप्रदाय-माध्वाचार्य। अतः विकल्प (द) सही है।

88. निम्न में से दर्शन और उसके प्रवर्तक के संबंध में असंगत विकल्प का चयन कीजिए-
(अ) सांख्य दर्शन-बादरायण
(ब) अद्वैतवाद-शंकराचार्य
(स) द्वैतवाद-मध्याचार्य
(द) योग दर्शन-पतंजलि

उत्तर-(अ) सांख्य दर्शन-बादरायण
यह मिलान गलत है। सांख्य दर्शन के प्रवर्तक महर्षि कपिल है न कि बादरायण। अतः विकल्प (अ) वाला मिलान गलत है और यहीं प्रश्न में पूछा गया है।

89. निम्न में से दर्शन और उसके प्रवर्तक के संबंध में संगत विकल्प का चयन कीजिए-
(अ) अद्वैतवाद-शंकराचार्य
(ब) द्वैतवाद-मध्याचार्य
(स) योग दर्शन-पतंजलि
(द) दिए गए तीनों विकल्प सही है।

उत्तर-(द) दिए गए तीनों विकल्प सही है।

90. निम्नलिखित में से 'पद्मावत' काव्य के रचनाकार का नाम बताइए-
(अ) मलिक मुहम्मद जायसी
(ब) अब्दुल रहमान
(स) अमीर खुसरो
(द) अमीर खुसरो एवं अब्दुल रहमान

उत्तर-(अ) मलिक मुहम्मद जायसी
पद्मावत के रचनाकार जायसीजी को माना जाता है। उन्होंने ही पद्मावत की रचना की थी। अतः विकल्प (अ) सही है।

91. निम्नलिखित में से प्रेमाख्यान काव्य परम्परा (सूफी कवियों) का मुख्य दर्शन ..... है।
(अ) अहमदिया (ब) तसव्वुफ
(स) हनफी
(द) अहमदिया एवं हनफी

उत्तर-(ब) तसव्वुफ
प्रेमाख्यान काव्य परंपरा (सूफी कवियों) का मुख्य दर्शन तसव्वुफ है/ तसव्वुफ, इस्लाम का आध्यात्मिक या रहस्यवादी रूप है जिसे हिन्दी साहित्य में 'सूफीमत' कहा जाता है अतः विकल्प (ब) सही है।

92. निम्नलिखित में से 'चन्दायन' किस कवि की रचना है?
(अ) मुल्ला दाऊद (ब) मंझन
(स) कुतुबन (द) शारंगधर

उत्तर-(अ) मुल्ला दाऊद
चन्द्रायन मुल्ला दाऊद की रचना है इसे हिन्दी का पहला सूफी प्रेमकाव्य माना जाता है यह अवधी भाषा में लिखा गया है इसकी रचना 1379 ई. में हुई थी। अतः विकल्प (अ) सही है।

93. निम्नलिखित में से 'बीसलदेव रासो' के रचयिता ..... हैं।
(अ) सहजोबाई (ब) जगनिक
(स) शारंगधर (द) नरपति नाल्ह

उत्तर-(द) नरपति नाल्ह
बीसलदेव रासो के रचयिता नरपति नाल्हा है यह एक प्रेम काव्य है। इसमें अजमेर के राजा विग्रहराज चतुर्थ (बीसलदेव) और उनकी पत्नी राजमती के प्रेम, वियोग और पुनर्मिलन का वर्णन है। अतः विकल्प (द) सही है।

94. निम्न में से 'मैथिली' में साहित्य सृजन करने वाला रचनाकार कौन है?
(अ) विद्यापति
(ब) अज्ञेय
(स) सरहपाद
(द) सरहपाद एवं अज्ञेय

उत्तर-(अ) विद्यापति
मैथिली में साहित्य का सृजन करने वाले रचनाकार विद्यापति है। उन्हें 'मैथिली कोकिल' के नाम से भी जाना जाता है। उन्हें मैथिली साहित्य के सबसे महत्वपूर्ण स्तम्भों में से एक माना जाता है।

95. निम्नलिखित में से बिहारी किस धारा के कवि हैं?
(अ) रीतिसिद्ध (ब) रीतिबद्ध
(स) रीतिमुक्त (द) प्रच्छंद

उत्तर-(अ) रीतिसिद्ध
बिहारी रीतिसिद्ध धारा के कवि है इस धारा के कवियों ने लक्षण-ग्रंथों (काव्य के नियमों) की रचना तो नहीं की लेकिन उन्हें काव्य शास्त्र के नियमों का पूर्ण ज्ञान था। उन्होंने अपनी कविताओं में इन नियमों का बखूबी पालन किया। अतः विकल्प (अ) सही है।

96. निम्नलिखित में से 'एक बूंद सहसा उछली' किस विधा की रचना है?
(अ) रेखाचित्र (ब) निबंध
(स) महाकाव्य (द) यात्रावृत्तांत

उत्तर-(द) यात्रावृत्तांत
'एक बुंद सहसा उछली' यात्रावृतांत विधा की रचना है। यह सुप्रसिद्ध साहित्यकार अज्ञेय (सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन) द्वारा रचित एक प्रसिद्ध यात्रा वृतांत है। अतः विकल्प (द) सही है।

97. निम्नलिखित में से कुलपति मिश्र के अनुसार रस-निष्पत्ति का बाधक तत्व.....है।
(अ) दोष (ब) अलंकार
(स) रीति (द) रीति एवं अलंकार

उत्तर-(अ) दोष
उपरोक्त विकल्पों में 'दोष' कुलपति मिश्र के अनुसार रस-निष्पत्ति का बाधक तत्व है। कुलपति मिश्र के अनुसार जिस प्रकार शरीर में रोग बाधा डालते है, उसी प्रकार काव्य में 'दोष' रस की प्रतीति में बाधक होते हैं। अतः विकल्प (अ) सही है।

98. निम्नलिखित में से 'काव्य-विलास' के रचयिता .....हैं।
(अ) नामवर सिंह (ब) प्रतापसाहि
(स) अजयसिंह (द) अरूण सिंह

उत्तर-(ब) प्रतापसाहि
उपरोक्त विकल्पों में 'काव्य-विलास' के रचयिता प्रतापसाहि है। प्रतापसाहि रीतिकाल के प्रसिद्ध कवि है। 'काव्य-विलास' उनकी एक महत्वपूर्ण कृति है। जिसमें काव्य के विभिन्न अंगों का विवेचन किया गया है। अतः विकल्प (ब) सही है।

99. दिए गए विकल्पों में से 'कविप्रिया' में कितने प्रकार के दोषों की चर्चा है?
(अ) 02 (ब) 12
(स) 22 या 23 (द) 08

उत्तर-(स) 22 या 23
कविप्रिया में 22 या 23 दोषों की चर्चा है इस ग्रंथ के रचनाकार आचार्य केशवदास है। इसमें अलंकारों के विस्तृत विवेचन के साथ-साथ कवि कर्तव्य और अन्य दोषों का वर्णन है। अतः विकल्प (स) सही है।

100. निम्न में से 'विभावानुभाव-व्यभिचारी-संयोगाद् रसनिष्पत्तिः 'यह परिभाषा या सूत्र किस कवि का है?
(अ) वामन (ब) सूरदास
(स) कबीरदास (द) भरतमुनि

उत्तर-(द) भरतमुनि
विभावानुभाव-व्यभिचारी-संयोगाद रसनिष्पत्तिः ''यह यह परिभाषा भरतमुनि की देन है। यह उनके प्रसिद्ध ग्रंथ नाट्यशास्त्र के छठे अध्याय से ली गई है। इस परिभाषा का अर्थ है- विभाव, अनुभाव और व्याभिचारी (संचारी) भावों के संयोग से रस की निष्पत्ति होती है।

101. निम्नलिखित में से अलंकार सम्प्रदाय का प्रवर्तक कौन है?
(अ) भामह (ब) डा.बच्चन सिंह
(स) श्यामशर्मा (द) पद्मसिंह शर्मा

उत्तर-(अ) भामह
अलंकार संप्रदाय के प्रर्वतक भामह है। इन्होंने काव्यालंकार नामक ग्रंथ की रचना की । उन्होंने 'शब्दार्थौ सहितौं काव्यम्' कहकर काव्य को परिभाषित किया और अलंकारों को काव्य की आत्मा के समान महत्व दिया।

102. निम्नलिखित में से 'छायावाद का पतन' पुस्तक के लेखक कौन है?
(अ) नंददुलारे वाजपेयी
(ब) प्रभाकर माचवे
(स) देवराज (द) रामविलास मोहन

उत्तर-(स) देवराज
'छायावाद का पत्तन' पुस्तक के लेखक 'देवराज' है यह पुस्तक छायावादी काव्य की आलोचना के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण कृति मानी जाती है। अतः विकल्प (स) सही है।

103. निम्नलिखित में से 'विज्ञान गीता' किस आचार्य कवि की कृति है?
(अ) सेनापति और पद्माकर
(ब) सेनापति
(स) पद्माकर (द) केशवदास

उत्तर-(द) केशवदास
'विज्ञान गीता' केशवदास जी द्वारा रचित कृति है। यह एक 'आध्यात्मिक ग्रंथ है इसमें केशवदास ने दर्शन और वैराग्य से संबंधित विषयों को सरल भाषा में समझाने का प्रयास किया है। अतः विकल्प (द) सही है।

104. निम्नलिखित में से 'बात बोलेगी/हम नहीं / भेद खोलेगी/बात ही'- काव्य-पांक्तियों के रचनाकार कौन हैं?
(अ) गिलोचन शास्त्री
(ब) गिरिजाकुमार माथुर
(स) शमशेर बहादुर सिंह
(द) प्रभाकर माचवे

उत्तर-(स) शमशेर बहादुर सिंह
'बात बोलेगी/हम नहीं/भेद खोलेगी/बात ही 'इन काव्य पंक्तियों के रचनाकार शमशेर बहादुर सिंह है। यह उनकी प्रसिद्ध कविता 'बात बोलेगी' का अंश है। अतः विकल्प (स) सही है। शमशेर बहादुर सिंह को हिन्दी साहित्य में कवियों का कवि माना जाता है।

105. निम्नलिखित में से कौन प्रयोगवादी कवि है?
(अ) गिरिजाकुमार माथुर
(ब) अज्ञेय
(स) प्रभाकर माचवे
(द) अज्ञेय, प्रभाकर माचवे और गिरिजाकुमार माथुर

उत्तर-(द) अज्ञेय, प्रभाकर माचवे और गिरिजाकुमार माथुर
उपरोक्त सभी प्रयोगवादी कवि है। प्रयोगवाद का प्रारंभ 1943 में 'तार सप्तक' के प्रकाशन से माना जाता है अज्ञेय इसके प्रवर्तक थे एवं प्रभाकर माचवे और गिरीराजकुमार माथुर तार सप्तक के प्रमुख कवि थे। अतः विकल्प (द) सही है।

106. निम्नलिखित में से कौन प्रयोगवादी कवि नहीं है?
(अ) दिनकर
(ब) गिरिजाकुमार माथुर
(स) अज्ञेय (द) प्रभाकर माचवे

उत्तर-(अ) दिनकर
उपरोक्त विकल्पों में 'दिनकर' प्रयोगवादी कवि नहीं है। वे मुख्य रूप से राष्ट्रीय-सांस्कृतिक धारा के कवि माने जाते हैं। यद्यपि उनकी कविताओं में आधुनिकता है, परन्तु उन्हें प्रयोगवाद की श्रेणी में नहीं रखा जाता अतः विकल्प (अ) सही है।

107. निम्नलिखित में से महाकाव्य 'साकेत' की रचना किस वर्ष हुई थी?
(अ) 1922-24 ई. (ब) 1931-32 ई.
(स) 1912-14 ई. (द) 1902-04 ई.

उत्तर-(ब) 1931-32 ई.
महाकाव्य साकेत की रचना 1931-32 ई. में हुआ था। इसके रचनाकार मैथिलीशरण गुप्त है यह हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का एक अत्यंत महत्वपूर्ण महाकाव्य है जो मुख्य रूप से भगवान राम के भाई लक्ष्मण की पत्नी उर्मिला के विरह और उनके चरित्र पर केन्द्रित है।

108. निम्नलिखित में से 'फूल नहीं रंग बोलते हैं' के रचयिता कौन हैं?
(अ) भवानीप्रसाद मिश्र (ब) निराला
(स) केदारनाथ अग्रवाल (द) माखनलाल

उत्तर-(स) केदारनाथ अग्रवाल
'फूल नहीं रंग बोलते हैं' के रचयिता केदारनाथ अग्रवाल है। यह उनका एक अत्यंत प्रसिद्ध काव्य संग्रह है, जिसके लिए उन्हें 1986 में साहित्य

अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वे प्रगतिवादी धारा के एक प्रमुख हिन्दी कवि थे। अतः विकल्प (स) सही है।

109. निम्नलिखित में से 'कश्मीर कुसुम एवं बादशाह दर्पण' निबंध के लेखक कौन है?
(अ) मुक्तिबोध (ब) गुलाबराय
(स) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (द) जैनेन्द्र

उत्तर-(स) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
'कश्मीर कुसुम एवं बादशाह दर्पण' निबंध के लेखक भारतेन्दु हरिश्चंद्र है उन्हें आधुनिक हिन्दी साहित्य का पितामह कहा जाता है उन्होंने इतिहास, कला और समकालीन विषयों पर कई महत्वपूर्ण निबंध लिखे हैं। अतः विकल्प (स) सही है।

110. निम्नलिखित में से नाटकीय रचनाएं 'कर्तव्य' एवं 'स्नेह या स्वर्ग' के लेखक कौन है?
(अ) डा.नामवर सिंह (ब) प्रेमचन्द
(स) रामनरेश त्रिपाठी (द) सेठ गोविन्ददास

उत्तर-(द) सेठ गोविन्ददास
कर्त्तव्य एवं 'स्नेह या स्वर्ग' के लेखक सेठ गोविंदास है। सेठ गोविंददास हिन्दी साहित्य के एक प्रतिष्ठित नाटककार और लेखक थे। कर्तव्य और 'स्नेह या स्वर्ग' उनके प्रसिद्ध नाटकों में गिने जाते हैं। अतः विकल्प (द) सही है।

111. निम्नलिखित में से 'रानी केतकी की कहानी' के लेखक कौन है?
(अ) इंशाअल्ला खाँ (ब) प्रेमचन्द
(स) भगवानदास (द) यशपाल

उत्तर-(अ) इंशाअल्ला खाँ
रानी केतकी की कहानी के लेखक इंशाअल्ला खाँ है। यह हिन्दी साहित्य की शुरुआती खड़ी बोली गद्य रचनाओं में से एक मानी जाती है। इंशाअल्ला खाँ ने इस कहानी में ऐसी भाषा का प्रयोग करने का प्रयास किया था, जिसमें बाहर की बोली (अरबी, फारसी) और संस्कृत मिश्रित शब्दों का पुट न हो अतः विकल्प (अ) सही है।

112. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना/रचनाएँ जैनेन्द्र कुमार की है?
(अ) फांसी (1929) (ब) वातायन (1930)
(स) जयसंधि (1949)
(द) फांसी (1929),वातायन (1930) एवं जय संधि (1949)

उत्तर-(द) फांसी (1929), वातायन (1930) एवं जय संधि (1949)
उपरोक्त सभी रचनाएँ जैनेन्द्र कुमार जैन की है वे हिन्दी साहित्य के मनोवैज्ञानिक कथाधारा के प्रवर्तक माने जाते हैं। उनकी कहानियों में सामाजिक समस्याओं के बजाय व्यक्ति के मन की उलझनों, नैतिकता और दर्शन पर अधिक बल दिया गया है। अतः विकल्प (द) सही है।

113. निम्नलिखित में से कहानी 'पक्षी और दीमक' के लेखक कौन है?
(अ) शिवदान सिंह (ब) अमरकांत
(स) गजानन माधव मुक्तिबोध
(द) भीष्म साहनी

उत्तर-(स) गजानन माधव मुक्तिबोध
'पक्षी और दीमक' के लेखक गजानन माधव मुक्तिबोध है। गजानन माधव 'मुक्तिबोध' हिन्दी साहित्य के प्रमुख कवि, आलोचक और कहानीकार थे। पक्षी और दीमक' उनकी एक प्रसिद्ध प्रतीकात्मक कहानी है। अतः विकल्प (स) सही है।

114. निम्नलिखित में से कौन-से अधिगम सिद्धांत में उद्दीपक-उद्दीपक के बीच साहचर्य होता है?
(अ) प्राचीन अनुबंधन (ब) प्रेक्षणात्मक अधिगम
(स) अव्यक्त अधिगम (द) समव्याप्त अधिगम

उत्तर-(अ) प्राचीन अनुबंधन
अधिगम सिद्धांत में उद्दीपक-उद्दीपक के बीच साहचर्य प्राचीन अनुबंधन में होता है। इस सिद्धांत का प्रतीपादन इवान पावलाव ने किया था इसमें एक तटस्थ उद्दीपक को एक स्वाभाविक उद्दीपक के साथ बार-बार प्रस्तुत किया जाता है। जिससे उनके बीच एक साहचर्य बन जाता है अंततः जीव उस तटस्थ उद्दीपक के प्रति वहीं अनुक्रिया देने लगता है जो वह स्वाभाविक उद्दीपक के प्रति देता था। अतः विकल्प (अ) सही है।

115. निम्न में से बालकों के सामने अनुकरणीय व्यवहार करना चाहिए। यह उक्ति अधिगम के किस सिद्धांत से संबंधित है?
(अ) अव्यक्त अधिगम (ब) प्रेक्षणात्मक अधिगम
(स) व्यक्त अधिगम (द) समव्याप्त अधिगम

उत्तर-(ब) प्रेक्षणात्मक अधिगम
'बालकों को सामने उचित (अनुकरणीय) व्यवहार करना चाहिए' यहविचार अधिगम के प्रेक्षणात्मक अधिगम के सिद्धांत से संबंधित है। यह सिद्धांत मुख्य रूप से प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक अल्बर्ट बांडुरा द्वारा दिया गया है। इसके मुख्य बिन्दु है- अनुकरण द्वारा सीखना, सामाजिक अधिगम एवं आदर्श। अतः विकल्प (ब) सही है।

116. निम्न में से अधिगम के बारे में कौन-सा कथन असत्य है?
(अ) अधिगम निष्पादन से भिन्न होता है।
(ब) अधिगम व्यवहार में परिवर्तन है।
(स) अधिगम में वृद्धि व परिपक्वता के कारण होता है।
(द) अधिगम में व्यवहार में तुलनात्मक रूप से स्थायी परिवर्तन होता है।

उत्तर-(स) अधिगम में वृद्धि व परिपक्वता के कारण होता है।
मनोविज्ञान में केवल परिपक्वता या वृद्धि के कारण होने वाले परिवर्तनों को अधिगम नहीं माना जाता है। अधिगम अनुभव और अभ्यास का परिणाम होता है। परिपक्वता एक स्वाभाविक जैविक प्रक्रिया है। इसे अधिगम नहीं माना जाता। अतः विकल्प (स) सत्य है।

117. निम्न में से बालक द्वारा प्रश्न का सफाई से तथा सही उत्तर लिखने पर अध्यापक प्रशंसा करता है। इससे बालक के सफाई से तथा सही उत्तर देने का व्यवहार बढ़ता है। यह कौन-से अधिगम सिद्धांत पर आधारित है?
(अ) अन्तर्दुष्टि अधिगम
(ब) बाहयदृष्टि अधिगम
(स) नवीन अनुबंधन
(द) क्रियाप्रस्तूत अनुबंधन

उत्तर-(द) क्रियाप्रस्तूत अनुबंधन
बी.एफ. स्किनर के अनुसार प्रशंसा एक पुनर्बलन का कार्य करती है जिससे उस व्यवहार की दोहराएं जाने की संभावना बढ़ जाती है। यह एक प्रकार का सीखना है जिसमें व्यवहार को उसके परिणामों द्वारा संशोधित किया जाता है।

118. निम्न में से कौन-सी अधिगम की आधारभूत शर्त नहीं है?
(a) संलग्नता (b) प्रतिपादन
(c) अभ्यास (d) पुनर्बलन
नीचे दिये गये कोड से सही उत्तर का चयन कीजिए-
(अ) (b) एवं (c) (ब) (c) एवं (d)
(स) केवल (a) (द) (a) एवं (d)

उत्तर-(स) केवल (a)
उपरोक्त अधिगम की अवधारणा में संलग्नता सही नहीं है जबकि प्रतिपादन, अभ्यास एवं पुनर्बलन अधिगम की आधारभूत शर्त है।

119. निम्न में से कौन-सा अधिगम प्रक्रिया का पक्ष नहीं है?
(अ) पुनर्बलन (ब) अभिप्रेरण
(स) उद्देश्य (द) दबाव

उत्तर-(द) दबाव
अधिगम की प्रक्रिया में अभिप्रेरण, उद्देश्य व पुनर्बलन महत्वपूर्ण तत्व है, जबकि दबाव सीखने की एक स्वाभाविक प्रक्रिया का हिस्सा नहीं माना जाता है। दबाव को अधिगम प्रक्रिया का पक्ष नहीं माना जाता है।

120. निम्न में से कौन-सा/से अधिगम प्रक्रिया का/के पक्ष है?
(अ) पुनर्बलन
(ब) अभिप्रेरण
(स) उद्देश्य
(द) पुनर्बलन, अभिप्रेरण एवं उद्देश्य

उत्तर-(द) पुनर्बलन, अभिप्रेरण एवं उद्देश्य
अधिगम प्रक्रिया के पद पुनर्बलन, अभिप्रेरण एवं उद्देश्य तीनों है। अतः विकल्प (द) सही हैं।

121. निम्न में से कौनसा युग्म सही नहीं है?
(अ) वर्दीमर-गेस्टाल्टवाद
(ब) जॉन डीवी-संरचनावाद
(स) जीन पियाजे-संज्ञानात्मक विकास
(द) वाटसन-व्यवहारवाद

उत्तर-(ब) जॉन डीवी-संरचनावाद
जॉन डी.वी.प्रयोजनवाद से संबंधित है जबकि संरचनावाद के प्रमुख पर्वतक विल्हेम वुंट और ई.वी. टिचनर थे। अतः जॉन डी.वी. संरचनावाद को छोड़कर बाकी सभी युग्म सही है।

122. निम्न में से कौन-सा युग्म सही है?
(अ) वर्दीमर-गेस्टाल्टवाद
(ब) जीन पियाजे-संज्ञानात्मक विकास
(स) वाटसन-व्यवहारवाद
(द) दिए गए तीनों विकल्प सही है।

उत्तर-(द) दिए गए तीनों विकल्प सही है।

123. निम्नलिखित में से कौन-सा वाइगोत्सकी के सामाजिक सांस्कृतिक सिद्धांत पर आधारित है?
(अ) अंतर्दृष्टिपूर्ण अधिगम
(ब) सक्रिय अधिगम (स) पर्यन्त अधिगम
(द) पारस्परिक शिक्षण

उत्तर-(द) पारस्परिक शिक्षण
लेव वाइगोत्सकी का सिद्धांत सामाजिक अंतर्क्रिया पर जोर देता है पारस्परिक शिक्षण इसी सिद्धांत पर आधारित है। अतः विकल्प (द) सही है।

124. निम्न में से अधिगम के किस कारक को अध्यापक विकसित कर सकता है?
(अ) अभिप्रेरणा को (ब) एकाग्रता को
(स) रूचि को
(द) अभिप्रेरणा, एकाग्रता एवं रूचि को

उत्तर-(द) अभिप्रेरणा, एकाग्रता एवं रूचि को
एक शिक्षक अपने शिक्षण कौशल से छात्र के भीतर सीखने की इच्छा, ध्यान लगाने की क्षमता और विषय के प्रति लगाव पैदा कर सकता है। अतः विकल्प (द) सही है।

125. निम्न में से सीखने की प्रक्रिया के चार चरण कौनसे हैं?
(अ) बाधा, प्रेरणा, अवमूल्यन एवं अनुगमन
(ब) लक्ष्य, प्रतिमान, मूल्यांकन एवं अनुगमन
(स) सुलभता, अक्रिया, समानता एवं अनुगमन
(द) उद्देश्य, क्रिया, मूल्यांकन एवं अनुगमन

उत्तर-(द) उद्देश्य, क्रिया, मूल्यांकन एवं अनुगमन
अधिगम या सीखने की प्रक्रिया एक व्यवस्थित क्रम में होती है, जिसके मुख्य घटक निम्नलिखित है-
1. **उद्देश्य-**सीखने की प्रक्रिया तब शुरु होती है जब व्यक्ति के पास कोई निश्चित लक्ष्य होता है।
2. **क्रिया-** लक्ष्य प्राप्ति के लिए व्यक्ति भिन्न-भिन्न क्रियाएँ और प्रयास करता है।
3. **मूल्यांकन-**इस चरण में व्यक्ति यह जांचता है कि उसके द्वारा की गई क्रियाएँ कितनी सफल रही और वह लक्ष्य के कितने करीब पहुँचा।
4. **अनुगमन-** मूल्यांकन के आधार पर सुधार करना और सीखी गई बात को स्थायी बनाना।

अतः दिए गए विकल्पों में से विकल्प (द) इन चरणों का सबसे सटीक रूप दर्शाता है।

126. निम्न में से प्रभावशाली अधिगम का/के आयाम कौन-सा/से है?
(अ) उत्तेजन अनुक्रिया अधिगम
(ब) श्रृंखला अधिगम
(स) संकेत अधिगम
(द) दिए गए सभी विकल्प सही है।

उत्तर-(द) दिए गए सभी विकल्प सही है।
प्रभावशाली अधिगम के लिए विभिन्न मनोवैज्ञानिक तरीके अपनाएँ जाते हैं। रॉबर्ट गेने के अधिगम के सोपान की सिद्धांत के अनुसार, सीखने के स्तर है-संकेत अधिगम, उत्तेजित अनुक्रिया अधिगम एवं श्रृंखला अधिगम। अतः विकल्प (द) सही है।

127. निम्न में से अधिगम के लिए क्या आवश्यक है?
(अ) स्व-क्रिया (ब) स्व-चिन्तन
(स) स्वानुभव
(द) स्वानुभव, स्व-चिन्तन एवं स्व-क्रिया

उत्तर-(द) स्वानुभव, स्व-चिन्तन एवं स्व-क्रिया
अधिगम एक सक्रिय प्रक्रिया है किसी भी चीज को प्रभावी ढंग से सीखना होता है तो पहले स्व-क्रिया अर्थात् स्वयं करके सीखना फिर स्वानुभाव अर्थात् अपने अनुभवों से सीखा जाता है उसके बाद स्वचिंतन अर्थात् सीखी गई बातों पर विचार किया जाता है अतः विकल्प (द) उचित प्रतीत होता है।

128. निम्न में से अधिगमकर्ताओं को व्यक्तिगत क्षमता के आधार पर उनकी कठिनाइयों के विभिन्न स्तरों को ध्यान में रखते हुए पढ़ाने की विधि को .....कहा जाता है।
(अ) साहचार्य विधि
(ब) अनुदेशन विमण्डलीकरण
(स) चयनित अनुदेशन
(द) विभेदी अनुदेशन

उत्तर-(द) विभेदी अनुदेशन
विभेदी अनुदेशन विधि वह विधि होती है जिसमें शिक्षक एक ऐसा तरीका अपनाता है जिसमें कक्षा के सभी विद्यार्थियों की अलग-अलग सीखने की जरुरतों, क्षमताओं और उनकी कठिनाईयों के स्तर को ध्यान में रखकर अपनी शिक्षण पद्धति में बदलाव करता है। अतः विकल्प (द) सही है।

129. निम्न में से एक बालक काली गाय, काला कुत्ता तथा काली वस्तुओं को देखकर डरने लगता है। इस प्रकार के अनुबन्धन में निहित है?
(अ) उद्दीपक सामान्यीकरण
(ब) नियोजित सामान्यीकरण
(स) प्राकृतिक अनुबंधन
(द) सहचर्य अनुबंधन

उत्तर-(अ) उद्दीपक सामान्यीकरण
जब कोई व्यक्ति या जीव किसी विशिष्ट उद्दीपक के प्रति अनुक्रिया करना सीख जाता है, तो वह उससे मिलते जुलते अन्य उद्दीपकों के प्रति भी वैसी ही अनुक्रिया करने लगता है तो इसे उद्दीपक सामान्यीकरण कहते हैं अतः विकल्प (अ) सही है।

130. निम्न में से सीखना एक तरह के व्यवहार का .....है।
(अ) संशोधन (ब) प्रसार
(स) बचाव (द) बचाव एवं संशोधन

उत्तर-(ब) प्रसार
सीखना एक तरह के व्यवहार का **प्रसार** है।

131. निम्नलिखित में से कौन-सी अभिवृत्ति की विशेषता है?
(अ) अभिवृत्ति हमेशा किसी वस्तु, परिस्थिति, व्यक्ति इत्यादि के प्रति प्रदर्शित होती है।
(ब) अभिवृत्ति स्थायी नहीं होती यह परिवर्तनीय है।
(स) अभिवृत्ति हमारे व्यवहारों और क्रियाकलापों को प्रभावित करती है।
(द) दिए गए सभी विकल्प अभिवृत्ति की विशेषताएँ है।

उत्तर-(द) दिए गए सभी विकल्प अभिवृत्ति की विशेषताएँ है।
अभिवृत्ति किसी व्यक्ति के मनोवैज्ञानिक झुकाव को दर्शाती है। इसकी प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं:
विशिष्टता: अभिवृत्ति हमेशा किसी न किसी वस्तु, व्यक्ति या स्थिति (Attitude Object) के प्रति केंद्रित होती है।
परिवर्तनशीलता: हालांकि अभिवृत्तियाँ अपेक्षाकृत स्थिर होती हैं, लेकिन नए अनुभवों या सूचनाओं के आधार पर इन्हें बदला जा सकता है।
व्यवहार पर प्रभाव: यह हमारे कार्यों और प्रतिक्रियाओं को निर्देशित करती है। यदि हमारी किसी चीज़ के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति है, तो हम उसके प्रति अनुकूल व्यवहार करेंगे।
सीखी हुई प्रवृत्ति: अभिवृत्तियाँ जन्मजात नहीं होतीं, बल्कि इन्हें सामाजिक परिवेश और अनुभवों के माध्यम से सीखा जाता है।

132. निम्नलिखित में से कौनसी अभिवृत्ति की विशेषता नहीं है?
(अ) अभिवृत्ति जन्मजात होती है।
(ब) अभिवृत्ति हमेशा किसी वस्तु, परिस्थिति, व्यक्ति इत्यादि के प्रति प्रदर्शित होती है।
(स) अभिवृत्ति स्थायी नहीं होती यह परिवर्तनीय है।
(द) अभिवृत्ति हमारे व्यवहारों और क्रियाकलापों को प्रभावित करती है।

उत्तर-(अ) अभिवृत्ति जन्मजात होती है।
मनोविज्ञान के अनुसार, अभिवृत्ति (Attitude)